लखनऊ

बुधवार, 18 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 206

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"रिश्तों की मजबूती दूरी से नहीं, भरोसे से तय होती है जहाँ विश्वास हो वहाँ फासले मायने नहीं रखते।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi | NIGHT 21° Low

संक्षेप

रजनीकांत ने पलटवार से की विजय की पार्टी के नेता की बोलती बंद, बवाल के बाद बोले- समय बोलता नहीं, पर अंत में जवाब जरूर देता है

तमिल सुपरस्टार रजनीकांत और अभिनेता विजय की राजनीतिक पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (TVK) के नेता आधाव अर्जुन के बीच उपजा हालिया विवाद अब एक नया मोड़ ले चुका है। इस विवाद के सामने आने के बाद रजनीकांत के समर्थक काफी गुस्से में थे। फिलहाल अब रजनीकांत ने इस पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया है, जिसमें उन्होंने अपने समर्थकों का आभार व्यक्त किया है और बिना किसी सीधे टकराव के अपनी बात रखी है। उन्होंने अपने एक जवाब से एक ओर अपने चाहने वालों को दिल जीत लिया तो दूसरी ओर आधन अर्जुन की बोलती बंद कर दी। इस विवाद की शुरुआत 12 मार्च 2026 को हुई, जब विजय की पार्टी TVK के महासचिव आधाव अर्जुन ने तमिलनाडु सरकार के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन के दौरान रजनीकांत का जिक्र किया। अर्जुन ने दावा किया कि जब रजनीकांत ने राजनीति में आने का प्रयास किया था, तब सत्तारूढ़ DMK पार्टी ने उन्हें 'धमकाया' था।हालाँकि, आधाव अर्जुन ने बाद में स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य अभिनेता की आलोचना करना नहीं था, बल्कि वे यह बताना चाहते थे कि उनकी पार्टी के संस्थापक विजय ऐसे किसी भी राजनीतिक दबाव के सामने झुकने वाले नहीं हैं। इसके बावजूद, रजनीकांत के प्रशंसकों और कई राजनीतिक दलों ने इसे सुपरस्टार का अपमान माना और अर्जुन से माफी की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए।

चुनाव आयोग ने केरल के 5 अधिकारियों का किया ट्रांसफर

नई दिल्ली । मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विधानसभा चुनावों की घोषणा करते हुए आश्वासन दिया था कि केरल सहित सभी राज्यों में चुनाव प्रलोभन मुक्त, निष्पक्ष, तटस्थ और शांतिपूर्ण होंगे। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग ने केरल में कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस संबंध में आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि आदेशों को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। चुनाव आयोग द्वारा जारी पत्र के अनुसार, आईपीएस अधिकारी नारायणन (डीआईजी रैंक) को कोझिकोड में जिला पुलिस प्रमुख के पद पर तैनात किया गया है। थॉमसन जोस आईपीएस-2009 को त्रिशूर, डीआईजी रेंज, इनबासेखर (आईएएस-2015) को जिला कलेक्टर-सह-डीईओ अलापुझा, वंदना एस । केएएस को राजस्व मंडल अधिकारी, थालीपरंब सह-आरओ इरिकुर, कन्नूर और सचिन कृष्णा केएएस को जिला रजिस्ट्रार जनरल, कन्नूर सह-आरओ धर्मदम, कन्नूर के पद पर तैनात करने के निर्देश आयोग ने दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने निर्देशों को तत्काल प्रभाव से लागू करने के साथ ही अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने के संबंध में अनुपालन रिपोर्ट 18 मार्च 2026 को सुबह 11 बजे तक भेजने की बात कही है। इसके अतिरिक्त, स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को चुनाव समाप्त होने तक किसी भी चुनाव संबंधी पद पर तैनात नहीं करने का निर्देश केरल सरकार को चुनाव आयोग ने दिया है।

लोकसभा से 8 विपक्षी सदस्यों का निलंबन समाप्त, सर्वदलीय बैठक में फैसला

किरण रिजिजू ने रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा ने मंगलवार को उन आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन रद्द कर दिया जिन्हें संसद के बजट सत्र के पहले चरण में सदन की अवमानना के मामले में निलंबित किया गया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को सभी दलों के नेताओं की एक बैठक बुलाई थी, जिसमें आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन वापस लेने पर सहमति बनी थी। सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने आसन से निलंबन रद्द करने का अनुरोध किया और विपक्षी सदस्यों के आचरण पर खेद भी जताया। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने निलंबन खत्म करने का प्रस्ताव सदन में रखा जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी।

बजट सत्र के पहले चरण के दौरान तीन फरवरी को आसन की ओर कागज फेंकने के बाद, सदन की अवमानना के मामले में विपक्ष के आठ सांसदों को बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया था।

निलंबित सांसदों में कांग्रेस के मणिकम टैगोर, अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एस। वेंकटेशन शामिल हैं। निलंबन के बाद से ये सांसद कार्यवाही वाले दिन संसद के मकर द्वार पर धरना दे रहे थे।

लोकसभा ने आठ सदस्यों के निलंबन के प्रस्ताव को मंगलवार को ध्वनिमत से पारित कर तत्काल प्रभाव से सभी सदस्यों के निलंबन को समाप्त कर दिया है। विपक्ष की तरफ से इस मामले में की गई जोरदार पहल के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने इस आशय का प्रस्ताव सदन में रखा जिसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। सभी सदस्यों को बजट सत्र के पहले चरण में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण से पैदा हुई स्थिति के बाद भारी हंगामा करने और अध्यक्ष की ओर कागज फेंकने के आरोप में पूरे सत्र के लिए निलंबित किया गया था।

इस संबंध में सोमवार को सभी दलों के नेताओं की लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ बैठक ही हुई थी। निलंबित सदस्यों में सात कांग्रेस सांसद और मदुरै से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक सांसद शामिल है। लोकसभा ने आज दिन सदस्यों का निलंबन वापस लिया है उनमें हिबी ईडन, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, मणिक्कम टैगोर, गुरजीत सिंह औजला, किरण कुमार रेड्डी, प्रशांत पाडोले, एस वेंकटेशन और डीन कुरियाकोस शामिल हैं।

'अहंकार और नाटकबाजी', सांसद में राहुल गांधी के रवैये पर 204 दिग्गजों ने उठाए सवाल

देश के 204 पूर्व सैन्य अधिकारी, रिटायर्ड जज और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लेकर एक बड़ा पत्र लिखा है। नागरिकों के नाम लिखे पत्र में राहुल गांधी और उनके सहयोगियों के हालिया संसद आचरण की कड़ी निंदा की है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद ने कहा कि 84 पूर्व नौकरशाहों, 116 पूर्व सैनिकों और पूर्व वकीलों ने जनता को लिखे इस पत्र में कहा है कि संसद में राहुल गांधी का व्यवहार विपक्ष के नेता के पद के लिए उचित नहीं है, जो कि एक अत्यंत जिम्मेदार पद है। उनका व्यवहार अहंकार और विशेषाधिकार की भावना को दर्शाता है।

वैद ने आगे कहा वे नाटकबाजी करते हैं; वे संसद की सीढ़ियों पर बैठकर नारेबाज़ी के बीच चाय पीते हैं। मुझे लगता है कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता के पद के महत्व को नहीं समझते। हम चाहते हैं कि वे इसे समझें और अब तक जो कुछ भी हुआ है उसके लिए राष्ट्र से माफी मांगें। स्पीकर ओम बिरला द्वारा सदन की गरिमा बनाए रखने की अपील के बावजूद, राहुल गांधी नहीं समझते। उन्होंने खुद को हंसी का पात्र बना लिया है। हम चाहते हैं कि वे एक जिम्मेदार विपक्ष के नेता की भूमिका निभाएं। विनम्रता होनी चाहिए, अहंकार और विशेषाधिकार की भावना नहीं। 14 मार्च को जो हुआ वह निंदनीय था। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए, क्योंकि लोग उनकी बात सुनते हैं। राष्ट्र की आकांक्षाएं संसद में होने वाली चर्चा और उससे बनने वाले कानूनों पर टिकी हैं। दूसरी ओर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नक्सल विरोधी अभियान में घायल हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा बटालियन के जवान अजय मलिक से सोमवार को मुलाकात की और कहा कि उन्हें मलिक से बात करके उनके मनोबल और जज्बे को महसूस किया। राहुल गांधी ने आरके पुरम इलाके में मलिक के आवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की।

राहुल गांधी के खिलाफ 204 रिटायर्ड अधिकारियों ने लिखा पत्र, कहा– "संसद में आचरण ठीक नहीं, देश से मांगें माफी"

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के 204 पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने संसद की गरिमा को लेकर चिंता जताते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। इन हस्ताक्षरकर्ताओं में 116 सेवानिवृत्त सशस्त्र बल अधिकारी, 84 सेवानिवृत्त नौकरशाह (जिनमें 4 राजदूत शामिल हैं) और 4 वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हैं। जारी पत्र में कहा गया है कि भारत की संसद देश की संवैधानिक व्यवस्था का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है, जहां जनता की आवाज को अभिव्यक्ति मिलती है, कानून बनाए जाते हैं और गणराज्य की बुनियाद मजबूत होती है। ऐसे में संसद की गरिमा केवल परंपरा का विषय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा का अहम हिस्सा है। संसद भवन के भीतर सांसदों का आचरण उच्चतम मानकों के अनुरूप होना चाहिए। लोकसभा और राज्यसभा के कक्षों के साथ-साथ संसद परिसर के अन्य हिस्से (जैसे सीढ़ियां, गलियारे और लॉबी) भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं और वहां भी उसी गरिमा का पालन किया जाना चाहिए। हस्ताक्षरकर्ताओं ने 12 मार्च की घटना पर विशेष चिंता जताई। उनके अनुसार, उस दिन माननीय स्पीकर द्वारा संसद परिसर में किसी भी तरह के प्रदर्शन या विरोध पर स्पष्ट रोक लगाने के बावजूद विपक्ष ने इस निर्देश की अनदेखी की। खुले पत्र में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष ने जानबूझकर इस आदेश का उल्लंघन किया, जो न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि संसदीय परंपराओं के प्रति अनादर भी दर्शाता है। पत्र में यह भी कहा गया कि राहुल गांधी और कुछ अन्य सांसद संसद की सीढ़ियों पर बैठकर चाय और बिस्कुट लेते हुए दिखाई दिए, जो देश की सर्वोच्च विधायी संस्था के सदस्यों के अनुरूप आचरण नहीं है।

10 साल में बदली रेलवे की तस्वीर, दुर्घटनाओं में 90% तक कमी अश्विनी वैष्णव ने संसद को दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार (17 मार्च) को संसद में कहा कि पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे की वित्तीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि रेलवे ने वोट बैंक की राजनीति से परफॉर्मेंस की राजनीति की ओर बदलाव किया है। इसके साथ ही उन्होंने सदन ये भी बताया कि हाल के दिनों में ट्रेन एक्सीडेंट में 90 प्रतिशत तक की कमी आई है।

रेल मंत्री ने बताया कि रेलवे की शुरुआत से 2014 तक केवल 125 किलोमीटर सुरंगें बनाई गई थीं, जबकि 2014 के बाद 486 किलोमीटर सुरंगों का निर्माण किया गया है। वहीं लोकसभा में साल 2026-27 के लिए रेल मंत्रालय से संबंधित अनुदानों की मांगों पर विपक्ष द्वारा लाए गए कटौती प्रस्ताव को मंगलवार को ध्वनिमत से खारिज कर दिया गया।

यात्री सुरक्षा पर विशेष ध्यान

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यात्री सुरक्षा, क्षमता विस्तार और नए स्टेशनों के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है।रेल मंत्री के अनुसार, दुर्घटनाओं की संख्या में 90 प्रतिशत तक कमी आई है, हालांकि सुरक्षा के क्षेत्र में और प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि पहले रेलवे को 24-25 हजार करोड़ रुपये का बजट मिलता था, जो अब बढ़कर करीब 2।72 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इस वृद्धि का श्रेय उन्होंने रेलवे बजट को सामान्य बजट में विलय करने के निर्णय को दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 के लिए 2।78 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड आवंटन किया गया है, जिसका लाभ लगभग सभी राज्यों को मिलेगा।

बढ़ रही है कोचों की संख्या

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि साल 2024-25 में 1250 अतिरिक्त जनरल कोच जोड़े गए, जबकि चालू वित्त वर्ष में 860 जनरल कोच लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कुल कोचों में 70 प्रतिशत हिस्सा जनरल और स्लीपर श्रेणी का है।

रेलवे में कहां कितना खर्च होता है!

खर्चों का ब्यौरा देते हुए रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे का सबसे बड़ा खर्च स्टाफ पर लगभग 1।19 लाख करोड़ रुपए है। इसके बाद ऊर्जा पर 32 हजार करोड़ रुपए, वित्तीय लागत पर 23 हजार करोड़ रुपए और पेंशन पर 64 हजार करोड़ रुपए खर्च होते हैं।

काबुल में अस्पताल पर हमला कायराना, भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा, कहा– ये सीधा नागरिकों पर हमला

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल में अस्पताल पर हुए हमले की भारत ने निंदा करते हुए पाकिस्तान पर हमला बोला है। भारत ने साफ शब्दों में कहा है कि ये कोई सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि बेगुनाह लोगों को निशाना बनाने वाला कायराना हमला है। इस तरह किसी भी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया जा सकता है। भारत सरकार का कहना है कि पाकिस्तान अब इस पूरे मामले को छिपाने की कोशिश करेगा। भारत ने इसे बर्बर, कायराना, अमानवीय हिंसा बताया है।

भारत सरकार ने कहा कि पाकिस्तान से इसे ऑपरेशन बताकर पीछे हटने को तैयार है। लेकिन सच्चाई ये है कि ये सीधा नागरिकों पर हमला है। ये मिलिट्री ऑपरेशन नहीं है। पाकिस्तान को इसका जवाब देना होगा। भारत ने कहा कि ये सिर्फ एक हमला नहीं, बल्कि अफगानिस्तान की जमीन और उसकी संप्रभुता पर सीधा हमला है। इससे पूरे इलाके में तनाव और बढ़ सकता है। पाकिस्तान की वजह से तनाव गहरा गया है। भारत ने कहा कि ये हमला रमजान के महीने में हुआ है। भारत ने कहा कि ये ऐसा वक्त होता है जब शांति और इंसानियत की बात होती है, ऐसे में अस्पताल पर हमला करना और भी शर्मनाक है।

भारत ने दुनिया के बाकी देशों से भी कहा है कि इस मामले को हल्के में न लिया जाए और जो लोग इसके जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। अंत में भारत ने अफगानिस्तान के लोगों के साथ खड़े होने की बात कही है, मारे गए लोगों के लिए संवेदना जताई है और घायलों के जल्द ठीक होने की दुआ की है। भारत ने साफ संदेश दिया है कि अस्पताल पर हमला किसी भी हाल में सही नहीं ठहराया जा सकता है और इसे छुपाने की कोशिश भी नहीं चलेगी।

हरदीप पुरी की बेटी हिमायनी को राहत, दिल्ली हाईकोर्ट का तत्काल विवादित पोस्ट हटाने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी को दोषी अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जोड़ने वाली सोशल मीडिया सामग्री को 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया है। हिमायनी ने इस बारे में अदालत में याचिका दी है। उन्होंने मानहानि का केस दाखिल करते हुए 10 करोड़ रुपये के हर्जाने की भी मांग की थी।

जस्टिस मिनी पुष्कर्ना ने सोशल मीडिया मंचों पर किसी भी तरह से ऐसी सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करने से भी रोक दिया है। हिमायनी पुरी द्वारा दायर एक मुकदमे की सुनवाई कर रहीं जस्टिस ने स्पष्ट किया कि यदि सोशल मीडिया उपयोगकर्ता पोस्ट नहीं हटाते हैं, तो मंच ऐसी सामग्री को हटा देंगे या उस तक पहुंच को रोक देंगे।

अदालत ने कहा कि हिमायनी पुरी के पक्ष में प्रथम दृष्टया मामला बनता है और यदि अंतरिम राहत नहीं दी गई तो उन्हें अपूरणीय क्षति होगी। हाईकोर्ट ने इस मामले पर अगली सुनवाई अगस्त में तय की है। पुरी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने कहा कि वित्त पेशेवर के रूप में उनकी मुवक्किल की 'वैश्विक प्रतिष्ठा' है जिसकी उन्हें रक्षा करनी है और उनके खिलाफ लगाए गए आरोप 'पूरी तरह से झूठे, बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण हैं। हिमायनी पुरी ने अपने मुकदमे में 10 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की है और कई संस्थाओं को मानहानिकारक सामग्री फैलाने से रोकने का आदेश देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें एपस्टीन और उसके अपराधों से जोड़ने के लिए एक 'समन्वित और दुर्भावनापूर्ण ऑनलाइन अभियान' चलाया गया। उन्होंने आरोपियों से बिना शर्त माफी मांगने और अपने पोस्ट वापस लेने की भी मांग की है। याचिका में कहा गया है कि 22 फरवरी 2026 के आसपास से सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल मंचों, जिनमें 'एक्स', यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक, लिंक्डइन, डिजिटल समाचार पोर्टल और अन्य वेब आधारित प्रकाशन शामिल हैं, पर झूठे, भ्रामक और मानहानिकारक पोस्ट, लेख, वीडियो और सामग्री प्रकाशित और प्रसारित किए गए हैं। हिमायनी पुरी ने दावा किया कि वह एक सफल वित्त और इन्वेस्टमेंट पेशेवर हैं और उन्हें केवल इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वह पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री की बेटी हैं। उनकी याचिका के अनुसार, प्रतिवादियों ने यह 'निराधार आरोप' फैलाए कि हिमायनी पुरी के जेफ्री एपस्टीन के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष व्यावसायिक, वित्तीय या व्यक्तिगत संबंध थे।

अब गोद लेने वाली महिला को भी मिलेगी मैटरनिटी लीव, मातृत्व अवकाश पर SC का अहम फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मातृत्व संरक्षण को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मातृत्व संरक्षण एक मौलिक मानवाधिकार है, जिसे बच्चे के जन्म के तरीके के आधार पर छीना नहीं जा सकता।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने सामाजिक सुरक्षा संहिता की उस धारा को असंवैधानिक करार दिया जो केवल 3 महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने पर अवकाश की अनुमति देती थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तीन महीने से अधिक उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिला को मातृत्व अवकाश से वंचित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि मातृत्व संरक्षण एक मूलभूत मानवाधिकार है और परिवार बनाने के एक 'गोद लिया हुआ बच्चा' और 'जैविक बच्चा' कानून की नजर में समान हैं।

न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, 'यद्यपि पारंपरिक रूप से रिश्तेदारी को परिभाषित करने में जीव विज्ञान को प्रमुख कारक माना जाता रहा है, लेकिन गोद लेना भी उतना ही मान्य तरीका है। परिवार का निर्धारण जीव विज्ञान से नहीं, बल्कि साझा अर्थ से होता है। केवल जैविक कारक ही परिवार को निर्धारित नहीं करते। गोद लिया हुआ बच्चा प्राकृतिक बच्चे से भिन्न नहीं होता।'

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि तीन महीने से अधिक उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिला की जिम्मेदारी अन्य मां के समान ही होती है। इसलिए उन्हें भी मैटरनिटी लीव मिलेगी।

अब तीन महीने तक के बच्चों को गोद लेने पर ही मिलती थी लीव

गौरतलब है कि सामाजिक सुरक्षा संहिता की धारा 60 (4) के तहत यदि कोई मां तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेती है तो उसे मातृत्व अवकाश की अनुमति मिलती है। ऐसे में यह गोद लेने वाली माताओं के लिए मातृत्व अवकाश को केवल उन लोगों तक सीमित करता है जो तीन महीने से कम उम्र के बच्चों को गोद लेते हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब गोद लेने वाली उन माताओं को भी मातृत्व अवकाश मिलेगा, जिनके गोद लिए हुए बच्चे की उम्र तीन महीने से अधिक है।

मैटरनिटी लीव कितना मिलता है?

भारत में महिला कर्मचारियों को बच्चों के लिए 26 सप्ताह (लगभग 6 महीने) का सवैतनिक (Paid) मैटरनिटी लीव मिलता है। यह छुट्टी डिलीवरी से 8 सप्ताह पहले से शुरू की जा सकती है। यह नियम गैर सरकारी और सरकारी दोनों जगहों पर काम करने वाली महिलाओं के लिए समान रूप से लागू होता है। मातृत्व अवकाश के लिए महिलाओं को अपनी तय तारीख से पहले के 12 महीनों में कम से कम 80 दिन काम करना होगा। इसके बाद ही वह मैटरनिटी लीव की हकदार हो सकती हैं। वहीं, अब तक 3 महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली माताओं के लिए 12 सप्ताह की मैटरनिटी लीव मिलती थी। जिसे अब बढ़ा दिया गया है।

नीतीश कुमार को बड़ा झटका, करीबी केसी त्यागी ने छोड़ा जेडीयू का साथ, यूपी पॉलिटिक्स में नई पारी की तैयारी!

नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने मंगलवार को जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) से इस्तीफा दे दिया। यह घटना पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार की राज्यसभा चुनाव में जीत के ठीक एक दिन बाद हुई, जो पार्टी के भीतर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम है। इसके परिणामस्वरूप, राजनीतिक गलियारों में इस बात को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं कि त्यागी अब किसी अन्य पार्टी में शामिल होंगे या अपनी खुद की पार्टी बनाएंगे। सूत्रों के अनुसार, त्यागी अब उत्तर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय होना चाहते हैं; आने वाले दिनों में त्यागी एक नई राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगे। एक पत्र में, पूर्व सांसद ने कहा कि नवीनतम सदस्यता अभियान की समाप्ति के बाद उन्होंने पार्टी की सदस्यता का नवीनीकरण नहीं किया है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों, दलितों और समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता में कोई बदलाव नहीं आया है। त्यागी ने पार्टी की उत्पत्ति को याद करते हुए बताया कि जॉर्ज फर्नांडीस के नेतृत्व में समता पार्टी और जनता दल के विलय के बाद 30 अक्टूबर, 2003 को जेडीयू का गठन हुआ था। उन्होंने पार्टी के साथ अपने लंबे जुड़ाव पर प्रकाश डाला और बताया कि उन्होंने शरद यादव और नीतीश कुमार जैसे नेताओं के साथ मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार सहित कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक पदों पर रहकर काम किया है।

मनरेगा भुगतान में भारी देरी पर कांग्रेस का प्रदर्शन, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

सरकार जल्द करें मनरेगा श्रमिकों की मजदूरी का भुगतान अन्यथा कांग्रेस करेगी बड़ा आंदोलनः राणा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मनरेगा मजदूरों के लंबित भुगतान को लेकर कांग्रेस पार्टी ने जुलूस निकाल कर विकास भवन पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला विकास अधिकारी को सौंपा। यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व में हुआ। ज्ञापन में कांग्रेसियों ने केंद्र व राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मनरेगा के तहत कार्य करने वाले मजदूरों को पिछले 75 दिनों से मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है, सिर्फ उत्तर प्रदेश में लगभग 2 हजार करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है।

इसके साथ ही योजना को जमीन पर संचालित करने वाले ग्राम रोजगार सेवकों सहित लगभग 40 हजार संविदा कर्मियों को पिछले 8 महीनों से मानदेय न मिलने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

कांग्रेस ने मनरेगा मजदुरी भुगतान में देरी के कारण गरीब मजदूरों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है, जिससे वे होली जैसे त्योहार भी ठीक से नहीं मना सके और अब अन्य त्योहारों पर भी इसका असर पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेसियों ने मांग की है कि मनरेगा मजदूरों के 75 दिनों के लंबित मजदूरी का भुगतान तत्काल कराया जाए। ग्राम रोजगार सेवकों व संविदा कर्मियों के 8 माह से लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान किया जाए। भुगतान में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा प्रदेश में लंबित लगभग 2 हजार करोड़ रुपये का भुगतान तुरंत जारी किया जाए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा कि मजदूरों का हक मारने वाली सरकार जवाब दे, अगर जल्द भुगतान नहीं हुआ तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन छेड़ेगी। पूर्व प्रदेश सचिव राहुल त्रिपाठी ने कहा कि मनरेगा को कमजोर कर गरीबों को संकट में डालने की साजिश अब नहीं चलेगी। वरिष्ठ नेता सलाउद्दीन हाशमी ने कहा कि सरकार मजदूर विरोधी नीति पर चल रही है, कांग्रेस हर स्तर पर संघर्ष करेगी। पीसीसी सदस्य हौसला भीम ने कहा कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो प्रदेशव्यापी आंदोलन कर सरकार को झुकाया जाएगा। अंत में कांग्रेसियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र मांगें पूरी नहीं हुईं तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर सरदार रणजीत सिंह सलूजा, कुमारी निकलेश सरोज,युवा कांग्रेस के मानस तिवारी, शरद श्रीवास्तव, नंद लाल मौर्य, हाजी फिरोज अहमद, हामिद राईनी, मनोज तिवारी प्रधान आदि लोग मौजूद रहे।

गैस कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त, कई एजेंसियों पर छापेमारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद में रसोई गैस की संभावित कालाबाजारी और जमाखोरी को रोकने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी कुमार हर्ष के निर्देश पर जिला पूर्ति अधिकारी जीवेश मौर्य द्वारा जिले के विभिन्न गैस एजेंसियों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया के माध्यम से गैस की कालाबाजारी और अवैध भंडारण की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद जिला पूर्ति अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य एवं रसद विभाग की टीम ने कई गैस एजेंसियों पर औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने एजेंसियों के स्टॉक रजिस्टर, वितरण प्रणाली तथा उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की आपूर्ति से संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की। जांच के दौरान एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए गए कि किसी भी स्थिति में गैस सिलेंडरों की जमाखोरी या कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, वर्तमान में खाड़ी क्षेत्र में चल रहे युद्ध के मद्देनजर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को लेकर सरकार और जिला प्रशासन विशेष रूप से सतर्क है। इसी क्रम में रसोई गैस की आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी से बचाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। जिला पूर्ति अधिकारी जीवेश मौर्य ने कहा कि यदि किसी भी एजेंसी द्वारा अनियमितता या कालाबाजारी पाई जाती है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उपभोक्ताओं से भी अपील की गई है कि यदि कहीं गैस की कालाबाजारी या अधिक कीमत वसूले जाने की सूचना मिले तो इसकी जानकारी तुरंत प्रशासन को दें।

हस्ताक्षर किए और चले गए, मैनपुरी बाल गृह पहुंचे न्यायिक अधिकारी तो प्रभारी अधीक्षक समेत तीन कर्मचारी मिले गैरहाजिर

आर्यावर्त संवाददाता

मैनपुरी। जिला न्यायाधीश रूपेश रंजन के आदेश पर सोमवार को विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गठित कमेटी के सदस्य और न्यायिक अधिकारियों ने आगरा स्थित राजकीय बाल गृह का निरीक्षण किया। जहां उपस्थित पंजिका में हस्ताक्षर के बाद भी प्रभारी अधीक्षक सहित तीन कर्मचारी अनुपस्थित मिले। जिस पर न्यायिक अधिकारियों ने नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने परिसर में सभी व्यवस्थाएं बेहतर करने को भी कहा है।

न्यायिक अधिकारियों ने आगरा राजकीय बाल गृह का किया निरीक्षण

एफटीसी द्वितीय के न्यायाधीश कुलदीप सिंह और विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव प्रीति गिरि ने सोमवार को राजकीय बाल गृह (शिशु) आगरा का भौतिक निरीक्षण किया। जहां हस्ताक्षर के बाद प्रभारी अधीक्षक बेटा सिंह अनुपस्थित मिले। ये भी सामने आया कि कर्मचारी पूनम द्वारा नौ से 13 मार्च तक का अवकाश प्रार्थना पत्र दिया गया, लेकिन इसके बाद भी उपस्थिति रजिस्टर में उनके हस्ताक्षर पाए गए।

अवकाश के संबंध में कोई प्रार्थना पत्र नहीं था

कर्मचारी पंकज कुमार के अवकाश के संबंध में कोई प्रार्थना पत्र नहीं था। कार्यालय सहायक शैलेंद्र ने बताया कि वह व्यक्तिगत काम से गए हैं। बताया कि बाल गृह में एक दिन से लेकर 10 साल तक के बच्चों को आश्रित किया जाता है।

वर्तमान में यहां एक दिन से छह साल तक के 27, छह से 10 साल तक के 14 आश्रित हैं। इनमें एक बच्चा मैनपुरी का भी शामिल है, जिसे आंखों से दिखाई नहीं देता और शरीर भी पूरी तरह से कार्य न करने के कारण दौरे पड़ते हैं। निरीक्षण करने पर पाकशाला की दीवारों का प्लास्टर छूटने और दुर्गंध आने, सफाई व्यवस्था का अभाव होने पर नाराजगी व्यक्त कर सभी व्यवस्थाएं बेहतर करने के निर्देश दिए हैं।

नरायनपुर के छात्रों ने अयोध्या मंडल में जीते दो गोल्ड

भदैया/सुल्तानपुर। अयोध्या मंडल में आयोजित राज्य स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में जिले के भदैया ब्लॉक स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यालय ने मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता है टेबल टेनिस में बालिका वर्ग से कृतिका शर्मा, रिचा यादव और लवी पाल ने स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं, बालक वर्ग में मंजीत और ऋषभ शुक्ला ने भी टेबल टेनिस में स्वर्ण पदक जीते। हैंडबॉल प्रतियोगिता में रिचा यादव और तनु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक दिलाया। इन मेधावी छात्रों के विद्यालय लौटने पर परीक्षा के उपरांत एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के समस्त स्टाफ और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष दिनेश उपाध्याय, मुनेंद्र मिश्रा, इंद्रभान यादव, हरिकेश्वर सिंह, गीता मौर्य और अनुपम यादव शामिल थे।

मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज का इंस्टाग्राम एकाउंट सस्पेंड, ब्लू टिक भी खत्म, मांगी मेटा से मदद

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह की मंगेतर और मछलीशहर से सांसद प्रिया सरोज का इंस्टाग्राम अकाउंट का फैन पेज अचानक सस्पेंड कर दिया गया है। इस घटना के बाद प्रिया सरोज ने इंस्टाग्राम सपोर्ट टीम से मदद मांगने का प्रयास किया है, लेकिन उनका एकाउंट दुरुस्त नहीं हो सका है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए मेटा प्लेटफॉर्म की टीम से सहायता की गुहार लगाई है।

प्रिया सरोज ने स्पष्ट किया कि उनका व्यक्तिगत इंस्टाग्राम अकाउंट सक्रिय है, जबकि उनके फैन पेज को किसी कारणवश सस्पेंड कर दिया गया है। उन्होंने मेटा से इस मामले में मदद की अपील की है। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि उनके इंस्टाग्राम अकाउंट से ब्लू टिक भी किसी कारणवश हटा दिया गया है, जो उनके लिए चिंता का विषय है।

प्रिया सरोज की इस समस्या ने सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना दिया है। उनके फैन पेज के सस्पेंड होने से उनके प्रशंसकों में निराशा का माहौल है। प्रिया सरोज ने अपने फॉलोअर्स से भी इस मामले में समर्थन मांगा है और उम्मीद जताई है कि मेटा प्लेटफॉर्म उनकी समस्या का समाधान करेगा।

इस घटना ने यह भी दर्शाया है कि कैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अकाउंट सस्पेंड होने की घटनाएं आम हो गई हैं। कई बार यूजर्स को बिना किसी पूर्व सूचना के अपने अकाउंट से वंचित होना पड़ता है, जिससे उनकी पहचान और कार्य प्रभावित होते हैं। मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज का मामला इस बात का उदाहरण है कि कैसे एक सार्वजनिक व्यक्ति को भी इस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

प्रिया सरोज ने अपने पोस्ट में मेटा प्लेटफॉर्म से यह भी पूछा है कि क्या उनकी टीम में कोई सदस्य इस मामले में सहायता कर सकता है। उन्होंने अपने फॉलोअर्स से भी अपील की है कि वे इस मुद्दे को लेकर जागरूकता फैलाएं। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर यूजर्स की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा का मामला इन दिनों चर्चा में भी है। हालांकि सांसद प्रिया सरोज ने जागरण से बताया कि उन्होंने एकाउंट की वापसी के साथ ही ब्लू टिक के जल्द लौटने की उम्मीद जताते हुए बताया कि मेटा से इस बाबत संपर्क किया गया है। उम्मीद है कि मेटा प्लेटफॉर्म उनकी समस्या का शीघ्र समाधान करेगा और उन्हें उनके फैन पेज की रिकवरी में सहायता प्रदान करेगा।

हरिद्वार में देव उत्सव के दौरान अंतर्राष्ट्रीय भजन गायक दीनबंधु के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) तथा श्री गंगा सभा (रजिस्टर्ड) हरिद्वार, उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "देव उत्सव" कार्यक्रम के अंतर्गत हर की पौड़ी, हरिद्वार में मां गंगा की पावन गोद में भजनों की अविरल धारा बही।

इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय भजन गायक दीनबंधु सिंह ने अपने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके भजनों की मधुरता और भक्ति भाव से ओतप्रोत प्रस्तुति ने ऐसा वातावरण बनाया कि वहां मौजूद श्रोता बंधु स्वयं को रोक न सके और खड़े होकर झूमने व नाचने लगे। पूरा हर की पौड़ी क्षेत्र भक्ति और उल्लास के रंग में रंग गया तथा वातावरण मां गंगा की आराधना और भजन-कीर्तन से गूंज उठा। दीनबंधु सिंह के भजनों ने पूरे परिसर को भक्ति रस में सराबोर कर दिया, जिससे हर की पौड़ी का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा से भर उठा। श्रद्धालुओं ने भजनों के साथ ताली बजाकर और झूमकर अपनी भक्ति का भाव व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में वाद्य यंत्र पर अमित धीमन ढोलक राहुल थापा कीबोर्ड राघव शर्मा तबला विनय शर्मा ओक्टोपैड तथा सुमित गिटार पर साथ दिए। कार्यक्रम के दौरान भारतीय संस्कृति और परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अन्य विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं की भी शानदार प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। इस प्रकार देव उत्सव के मंच से भक्ति, संस्कृति और संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं के मन में आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराई।

बांदा में खनन कारोबार में मिला 250 करोड़ रुपये का लेनदेन, एक पर्ची पर निकाले कई ट्रक–डंपर

आर्यावर्त संवाददाता

बांदा। आय से अधिक संपत्ति, खनन से की गई कमाई छिपाने की आशंका पर बांदा के सात कारोबारियों के 34 स्थानों पर आयकर विभाग की 26 टीमों के 200 अफसरों-कर्मियों की जांच के बाद सोमवार को रिपोर्ट कानपुर स्थित डायरेक्ट्रेट कार्यालय में महानिदेशक को सौंप दी गई।

रिपोर्ट में करोड़ों रुपये के टैक्स की चोरी की आशंका जताई गई है। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार, खनन कारोबार में टैक्स चोरी के लिए मौरंग निकासी के दौरान जारी किए जाने वाले रवन्ने की पर्चियों में खेल किया गया। एक रवन्ने पर ट्रक-डंपर कई बार निकाले गए।

जांच में कारोबारियों के द्वारा अपने परिवार के लोगों के नाम पर कंपनियां बनाकर आपसी लेनदेन में 800 करोड़ रुपये खपाने की बात पता चली है। टीमें अब ऐसी धनराशि पता लगा रही हैं, जिस पर टैक्स नहीं दिया गया। उसी आधार पर डायरेक्ट्रेट कार्यालय में मुकदमा दर्ज करा टैक्स की वसूली की जाएगी।

आय-व्यय का ब्योरा सही नहीं दर्शाया गया

आय-व्यय का ब्योरा भी कागजातों में सही नहीं दर्शाया गया है। खनन भी निर्धारित दायरे से ज्यादा किया गया, जिसकी जानकारी ड्रोन मैपिंग से मिली है। रियल एस्टेट, खनन, स्वास्थ्य, एविएशन व क्रशर उद्योग से जुड़े कारोबारियों के यहां जांच बुधवार सुबह से रविवार दोपहर तक चली। टीमों ने हमीरपुर सदर से विधायक रहे, पूर्व एमएलसी व चौधरी आटोमोबाइल के मालिक युवराज सिंह के बांदा में रहने वाले भाई खनन कारोबारी सीरजध्वज सिंह, दिलीप सिंह, सोमेश भारद्वाज, शिवशरण सिंह, अस्पताल संचालक अज्ञात गुप्ता, बिजली ठेकेदार शशांक शेखर व राहुल सिंह के बांदा, महोबा, दिल्ली, भोपाल, नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, मेरठ व आगरा में घरों-प्रतिष्ठानों में छानबीन की। बांदा के आयकर अधिकारी शिवशंकर मिश्रा ने बताया कि टीमों की जांच रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बस्ती के प्रभात मिश्रा ने 40 हजार से बनाई 40 करोड़ की कंपनी, बच्चों को सिखा रहे रोबोटिक्स और एआई

आर्यावर्त संवाददाता

बस्ती। किसान के बेटे प्रभात मिश्रा देश के उन चुनिंदा युवा उद्यमियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने शिक्षा और तकनीक के क्षेत्र में नवाचार को एक नई दिशा दी है। साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्किल-बेस्ड एजुकेशन के क्षेत्र में इनका योगदान युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुका है। पहले बच्चों को रोबोट बनाना सिखाया और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ बनाना सिखा रहे हैं।

बस्ती पिपरा चीथर निवासी प्रभात की बचपन से ही तकनीक, मशीनों और नए प्रयोगों में विशेष रुचि रही। छात्र जीवन में ही स्टार्टअप और उद्यमिता की राह चुन ली। ओजी रूम नाम से पहला स्टार्टअप शुरू किया।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद, वर्ष 2019 में, अपने अनुभव और दृष्टि को एक संगठित रूप देते हुए ओमेगा एजुटेक प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की। इसके अंतर्गत उन्होंने ब्रेन इनोवेशन लैब की शुरुआत की, जो आज कई स्कूलों में संचालित हो रहा है। इस लैब के माध्यम से विद्यार्थियों को रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , इंटरनेट आफ थिंग्स, थ्रीडी प्रिंटिंग, एरोमाडलिंग, सैटेलाइट एवं स्पेस टेक्नोलाजी, डिज़ाइन थिंकिंग एवं इनोवेशन जैसे विषयों पर प्रोजेक्ट आधारित, प्रैक्टिकल लर्निंग प्रदान की जा रही है।

महज 40 हजार स्टार्टअप से कंपनी शुरू की और दूसरी कंपनी भी खड़ी कर दी। 40 करोड़ की कंपनी बन गई है, जिसका सालाना टर्नओवर दो से तीन करोड़ है। 60 युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए। सरकारी स्कूलों में निशुल्क शिक्षा दे रहे हैं । पहले चरण में 22 विद्यालयों के बच्चों को प्रशिक्षित किया है, जिसमें नौ सरकारी स्कूल हैं।

प्रभात ने बताया कि स्कूलों में एआइ का उपयोग न केवल पढ़ाई को अधिक रोचक बना रहा है, बल्कि विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को भी बेहतर बना रहा है। एआइ आधारित टूल्स की मदद से अब विद्यार्थियों को उनकी समझ और गति के अनुसार पढ़ाया जा सकता है। पहले एक ही कक्षा में सभी बच्चों को एक ही तरीके से पढ़ाया जाता था, लेकिन एआइ के माध्यम से हर छात्र की सीखने की शैली और कमजोरियों का विश्लेषण करके उसे व्यक्तिगत रूप से बेहतर मार्गदर्शन दिया जा सकता है।

बरेली में ग्रैंड गोयनका फेस्टिवल में मिला सम्मान

कुछ दिन पूर्व बरेली के ग्रैंड गोयनका फेस्टिवल 2026 के दौरान शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रभात मिश्रा को सम्मानित किया गया। बालीवुड अभिनेता, निर्माता एवं फिल्म निर्देशक अरबाज खान ने सर्टिफिकेट आफ अप्रिसिएशन, प्रदान कर सम्मानित किया। उन्हें यह सम्मान विद्यार्थियों में रचनात्मकता, तकनीकी जागरूकता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया गया। इनकी ब्रेनपी इनोवेशन लैब ने विद्यार्थियों में विज्ञान, रोबोटिक्स और तकनीकी शिक्षा के प्रति विशेष रुचि विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

'बाबा नीब करौरी' पर बन रही फिल्म अप्रैल में होगी रिलीज

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। ग्राम पंचायत नागऊ में शामिल गांव अकबरपुर में वर्ष 1900 में जन्मे विश्व विख्यात संत एवं हनुमान जी के भक्त बाबा नीब करौरी के चमत्कारों को दुनिया जानेगी।

पर्यटन विभाग के सहयोग से मुंबई के फिल्म निर्देशक शरद सिंह ठाकुर श्री बाबा नीब करौरी महाराज के नाम से उनकी बायोपिक बना रहे हैं। मुंबई, प्रयागराज, कैंची धाम और वृंदावन में इसकी शूटिंग पूरी होने के बाद फिल्म का पोस्टर भी लांच हो चुका है।

नागऊ निवासी एवं बाबा नीब करौरी के परिवार से जुड़े गोपाल शर्मा ने बताया कि बाबा जी का किरदार अभिनेता सुबोध भावे ने निभाया है। अप्रैल में फिल्म रिलीज करने की तैयार की जा रही है। इसमें बाबा जी के जन्म से लेकर देह त्यागने तक की पूरे जीवन को प्रभावी तरीके से फिल्माया गया है।

2 घंटे से ज्यादा की होगी फिल्म

फिल्म का पोस्टर पिछले वर्ष 24 सितंबर को लखनऊ में पर्यटन मंत्री ठा. जयवीर सिंह ने लांच किया था। निर्देशक शरद सिंह ने बताया कि 2.27 मिनट की फिल्म में कई दृश्य सौ वर्ष पूर्व के दर्शाने के लिए कैंची धाम (नैनीताल), मुंबई और वृंदावन में अलग से सैट तैयार करने पड़े। नागऊ में विकास एवं सुंदरीकरण कार्य के चलते शूटिंग नहीं हो सकी।

नागऊ में बने पांच होम स्टे, मिलेगा विलेज टूरिज्म को बढ़ावा

प्रशासन गांव में विलेज टूरिज्म पर भी काम कर रहा है। जिससे बाबा के दर्शन के लिए आने वाले विदेशी और महानगरों में रहने वाले श्रद्धालु भारतीय ग्रामीण रहन-सहन, खानपान और संस्कृति को समझ सकें।

इसके लिए नागऊ के पांच घरों को होम स्टे के लिए तैयार कर पर्यटन विभाग में पंजीकृत कराया गया है। बाबा नीब करौरी मंदिर के ठीक पीछे जय नारायण शर्मा भवन के नाम से होम स्टे चला रहे देवेश कुमार शर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष दिसंबर में पंजीकरण होने के बाद अब तक चार-पांच लोग होम स्टे कर चुके हैं। उन्हें उनकी पसंद का घर में बना हुआ खाना खिलाया जाता है।

पर्यटन अधिकारी विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि एक दिन का किराया एक हजार रुपये तय किया गया है, लेकिन होम स्टे संचालक इसे सुविधानुसार कम या अधिक कर सकते हैं। अभी आनलाइन बुकिंग की सुविधा नहीं है।

करोड़ों से हो रहे विकास कार्य

बाबा की जन्म स्थली को पर्यटन क्षेत्र बनाने के लिए गांव अकबरपुर के करोड़ों रुपये से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। मंदिर का सुंदरीकरण हो चुका है। श्रद्धालुओं के लिए ठहरने के लिए भवन भी बनकर तैयार है। अब पार्किंग और नई सड़क बनाने का कार्य चल रहा है। अकबरपुर का नाम भी बाबा नीब करौरी करने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

कोइरीपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत 7 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित

सुल्तानपुर। जनपद के पीपी कमैचा ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत कोइरीपुर में सोमवार शाम 4 बजे प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को पक्के मकान उपलब्ध कराने हेतु एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।नगर पंचायत कोइरीपुर कार्यालय एवं डूडा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष रुबीना बानो, अध्यक्ष प्रतिनिधि कासिम राइन, अधिशासी अधिकारी वीरेन्द्र प्रताप, परियोजना अधिकारी संजय सिंह, सीएलटीसी अवनीश चौहान, डीपीएम सुल्तानपुर सौरभ मिश्रा, लिपिक राम कृष्ण मिश्र एवं मंडल अध्यक्ष राजेश जायसवाल की उपस्थिति रही।कार्यक्रम के दौरान 7 पात्र लाभार्थियों को आवास योजना के स्वीकृति पत्र वितरित किए गए।

योगी सरकार का व्यावहारिक बदलाव, जनता का पैसा कहां से आया और कहां खर्च हुआ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक वित्त के क्षेत्र में एक स्पष्ट और व्यावहारिक बदलाव किया है। अब टैक्स को केवल राजस्व इकट्ठा करने का माध्यम नहीं माना जा रहा, बल्कि उसे सीधे किसी खास उद्देश्य से जोड़कर खर्च किया जा रहा है। सरल शब्दों में समझें तो कौन सा पैसा कहां से आया और कहां खर्च हुआ, यह अब स्पष्ट दिख रहा है।

यह मॉडल इसलिए खास है क्योंकि आम नागरिक अब आसानी से समझ सकता है कि उसका दिया हुआ टैक्स किस काम में लग रहा है। इस पूरी नीति का सीधा मतलब है कि टैक्स अब सिर्फ पैसा नहीं, बल्कि विकास का साधन बन चुका है। उत्तर प्रदेश ने दिखाया है कि अगर योजना स्पष्ट हो, तो हर रुपये का सही उपयोग करके समाज, अर्थव्यवस्था और संस्कृति तीनों को एक साथ मजबूत किया जा सकता है।

राज्य सरकार ने आबकारी से जुड़े राजस्व पर 0.5% का गो कल्याण सेस लगाया है। यह टैक्स शराब की बिक्री से जुड़ा है। आम उपभोक्ता पर इसका बहुत कम असर पड़ता है, लेकिन पूरे राज्य से यह मिलकर सैकड़ों करोड़ रुपये जुटाता है। इस पैसे को सीधे आवारा गोवंश की देखभाल में खर्च किया जाता है प्रदेश में बने गोवंश आश्रय स्थल में हजारों पशुओं को रहने, खाने और इलाज की सुविधा मिल रही है। दरअसल, कृषि में मशीनों के बढ़ते उपयोग के कारण किसानों की पशुओं पर निर्भरता कम हुई है, जिससे आवारा पशुओं की समस्या बढ़ी। अब इस सेस के जरिए इस समस्या का स्थायी समाधान तैयार किया गया है।

उत्तर प्रदेश ने एक और स्पष्ट नीति अपनाई है और वो ये कि जिस सेक्टर से राजस्व आता है, उसी सेक्टर के विकास में उसका उपयोग किया जाता है। इसे आसान भाषा में ऐसे समझें:

संपत्ति की खरीद-फरोख्त से मिलने वाली स्टाम्प ड्यूटी का उपयोग काशी विश्वनाथ कॉरिडोर जैसे प्रोजेक्ट में किया जा रहा है। इससे पर्यटन बढ़ रहा है, रोजगार मिल रहा है और विरासत सुरक्षित हो रही है।

खनन से मिलने वाला पैसा गांवों में सिंचाई और जल प्रबंधन सुधारने में लगाया जा रहा है, जिससे किसानों को सीधा फायदा मिल रहा है।

पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से मिलने वाला टोल छोटी सड़कों (फीडर रोड) के निर्माण में खर्च हो रहा है, जिससे दूर-दराज के गांव भी मुख्य सड़कों से जुड़ रहे हैं। मंडी से मिलने वाली फीस का उपयोग फसल सुरक्षा और किसान योजनाओं में किया जा रहा है। इस नई नीति की सबसे बड़ी ताकत है, स्पष्टता। अब लोगों को साफ दिखता है कि शराब की बिक्री से मिला पैसा गो कल्याण में लग रहा है। टोल टैक्स का पैसा सड़क और कनेक्टिविटी में, प्रॉपर्टी टैक्स का पैसा धार्मिक और पर्यटन विकास में निवेश हो रहा है। इससे सरकार पर भरोसा बढ़ता है, क्योंकि टैक्स अब "कहां गया" का सवाल नहीं, बल्कि "यहीं लगा" का जवाब देता है।

तेजी से विकास की मजबूत तैयारी

उत्तर प्रदेश का लक्ष्य है 2029-30 तक $1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाना है। इसके लिए सरकार लगातार सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर, सिंचाई और खेती, लॉजिस्टिक्स और इंडस्ट्री, पर्यटन जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ा रही है। राज्य के बजट में पूंजीगत खर्च लगातार बढ़ रहा है, जिससे रोजगार, व्यापार और कनेक्टिविटी तीनों में तेजी आ रही है।

दूसरे राज्यों के लिए भी उदाहरण

उत्तर प्रदेश का यह मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी एक स्पष्ट रास्ता दिखाता है। मतलब साफ है कि जो राज्य जिस क्षेत्र में मजबूत है, वह उसी से मिलने वाले टैक्स को उसी क्षेत्र के विकास में लगा सकता है। जैसे, जहां पर्यटन ज्यादा है, वहां पर्यटन से मिलने वाले टैक्स को पर्यटन सुविधाएं बेहतर करने में खर्च किया जा सकता है।

औद्योगिक राज्यों में उद्योगों से जुड़े शुल्क को पर्यावरण सुधार पर लगाया जा सकता है। वहीं कृषि प्रधान राज्यों में मंडी से मिलने वाली फीस को खेती और किसानों को मजबूत बनाने में इस्तेमाल किया जा सकता है। सीधे शब्दों में कहें तो, हर राज्य अपनी जरूरत और स्थिति के अनुसार टैक्स को विकास से जोड़कर ज्यादा प्रभावी परिणाम हासिल कर सकता है।

पारिवारिक विवाद के बाद मड़ियांव में मजदूर ने आम के पेड़ से फांसी लगाकर दी जान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना ग्राम रहोड़ा पुरवा, आईआईएम रोड के पास गांव के बाहर स्थित एक आम के पेड़ की है, जहां सुबह स्थानीय लोगों ने शव लटका देखा तो इलाके में सनसनी फैल गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना मड़ियांव पुलिस को सुबह करीब 7:17 बजे घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मौके पर मौजूद ग्रामीणों और परिजनों से पूछताछ के आधार पर मृतक की पहचान गौतम रावत (लगभग 45 वर्ष) के रूप में हुई, जो मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।परिजनों के मुताबिक, मृतक के छह बच्चे हैं और वह परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। बताया जा रहा है कि बीती रात पत्नी से किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया था, जिसके बाद वह घर से निकल गया। इसके बाद उसने गांव के बाहर आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि गौतम रावत एक मेहनती और शांत स्वभाव का व्यक्ति था, जिसकी अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। खासकर उसके छोटे-छोटे बच्चों के सामने अब जीवनयापन की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।पुलिस ने बताया कि मृतक के तीन भाई हैं और परिजनों ने पोस्टमार्टम न कराने के लिए लिखित प्रार्थना पत्र दिया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से महापौर सुषमा खर्कवाल की शिष्टाचार भेंट, लखनऊ के विकास पर हुई चर्चा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। देश के रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह से सुषमा खर्कवाल ने नई दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान नगर विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई और लखनऊ के समग्र विकास के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया गया।भेंट के दौरान रक्षा मंत्री ने महापौर को जनसेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। उनके सरल और प्रेरणादायी व्यक्तित्व का प्रभाव इस मुलाकात में स्पष्ट रूप से देखने को मिला।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि रक्षा मंत्री का मार्गदर्शन लखनऊ के विकास कार्यों को नई दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके अनुभव और नेतृत्व से जनहित के कार्यों को और गति मिलेगी।

चैत्र नव वर्ष की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय सनातन संघ ने किया सुंदरकांड एवं भंडारे का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मंगलवार को हनुमान सेतु मंदिर के नीचे स्थित नीब करौरी तपोस्थली पर राष्ट्रीय सनातन संघ द्वारा सुबह 10 बजे पुराने हनुमान मंदिर पर उनका भव्य श्रृंगार एवं सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया । उसके बाद भजन कीर्तन के साथ ही भंडारे का भी आयोजन किया गया। भंडारे में श्रद्धालुओं ने हनुमान जी का प्रसाद चखा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व आईपीएस अधिकारी उमेश श्रीवास्तव मौजूद रहे। इस संबंध में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय सनातन संघ के मीडिया प्रभारी राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय सनातन संघ के अध्यक्ष दिनेश खरे की अगुवाई में लगातार सनातन के पर्वों को धूमधाम से मनाया जाता है । इसी क्रम में चैत्र नव वर्ष की शुरुआत 19 मार्च से हो रही है तो 17 मार्च यानि कि आज हनुमान जी के समक्ष सुंदरकांड का पाठ कर सनातन के परचम को ऊंचा उठाने के लिए प्रार्थना की गई एवं सनातन धर्म के मुताबिक जब हिंदू नव वर्ष का प्रारंभ हो रहा है तो सनातन को मानने वालों से अपील की गई कि वह नववर्ष का धूमधाम से स्वागत करें और संकल्प लें कि इस नव वर्ष पर सनातन को मानने वालों का बढ़ चढ़कर सहयोग करेंगे। श्री खरे ने बताया कि आज संघ के महासचिव विमलेश श्रीवास्तव, संजीव सक्सेना कोषाध्यक्ष आलोक मिश्रा समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

संक्षेप

महंगाई भत्ता 50% होने पर शिक्षकों-कर्मचारियों की ग्रेच्युटी सीमा 25 लाख रुपये तक बढ़ी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए उनकी सेवानिवृत्ति एवं मृत्यु ग्रेच्युटी (उपादान) की अधिकतम सीमा बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब महंगाई भत्ता मूल वेतन का 50 प्रतिशत हो जाने की स्थिति में ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है।इस संबंध में विशेष सचिव उमेश चन्द्र द्वारा शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), उत्तर प्रदेश को पत्र जारी किया गया है। पत्र में पूर्व में जारी शासनादेश दिनांक 07 मई 2017 का संदर्भ देते हुए बताया गया है कि उस समय ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 20 लाख रुपये निर्धारित की गई थी।शासन द्वारा सम्यक विचारोपरांत वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 के शासनादेश दिनांक 23 दिसंबर 2016 एवं 02 जुलाई 2024 के प्रावधानों के अनुरूप अब यह निर्णय लिया गया है कि जब महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत तक पहुंच जाए, तो अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को भी 25 लाख रुपये तक ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाएगा।यह आदेश विभागीय सहमति के उपरांत 06 मार्च 2026 को जारी किया गया है। शासन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाए।

लखनऊ में फरार चल रहे दो वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार, कोर्ट में किया गया पेश

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में लंबे समय से फरार चल रहे दो वारंटी अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। यह कार्रवाई सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में की गई, जहां पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में संदीप मौर्या (29 वर्ष) पुत्र श्यामलाल तथा छोटू मौर्या (21 वर्ष) पुत्र बुद्धु मौर्या निवासी कटरा बक्कास शामिल हैं। दोनों के खिलाफ वाद संख्या 2053/2023, अपराध संख्या 12/2023 के तहत धारा 147, 323, 504, 506, 427 भादवि एवं एससी/एसटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज है। बताया गया कि दोनों अभियुक्त काफी समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहे थे और फरार चल रहे थे। इस पर माननीय न्यायालय द्वारा उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।

बीबीएयू ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, एक साथ 2100 पौधे लगाकर रचा इतिहास

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। यह सम्मान विश्वविद्यालय को एक ही समय पर एक ही स्थान पर सर्वाधिक पौधारोपण के सफल आयोजन के लिए प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि ने न केवल विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति उसकी मजबूत प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है। इस अवसर पर कुलपति राज कुमार मित्तल ने सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और सहयोगी संस्थाओं को बधाई देते हुए इसे सामूहिक प्रयास, समर्पण और जागरूकता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।यह भव्य वृक्षारोपण अभियान 9 जुलाई 2025 को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया था। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के वन विभाग के सहयोग से 2100 प्रतिभागियों ने एक ही समय में 2100 पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा किया, जिनमें से 2055 पौधों का सफल रोपण सुनिश्चित किया गया। यह आयोजन न केवल बड़े पैमाने पर आयोजित किया गया, बल्कि पूरी तरह सुव्यवस्थित और अनुशासित तरीके से संपन्न हुआ।विश्वविद्यालय का यह प्रयास केवल एक रिकॉर्ड बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता, सामाजिक जिम्मेदारी और सामूहिक भागीदारी की भावना को भी दर्शाता है।

लखनऊ के जलसाई नाथ मंदिर का होगा कायाकल्प

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग अल्पज्ञात और कम चर्चित धार्मिक स्थलों को विशिष्ट पहचान दिलाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। इसी क्रम में लखनऊ के सरोजनी नगर स्थित श्री महादेव जलसाई नाथ जी मंदिर का कायाकल्प किया जा रहा है। मंदिर के सौंदर्यीकरण और समग्र विकास के लिए लगभग 89.82 लाख रुपये की परियोजना पर कार्य शुरू हो चुका है, जिसके तहत 60 लाख रुपये की पहली किस्त जारी कर दी गई है। इस पहल से मंदिर का स्वरूप भव्य और आधुनिक बनेगा तथा स्थानीय पर्यटन को नई गति मिलेगी।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि जलसाई नाथ मंदिर परिसर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। परियोजना के तहत यात्री हॉल, शीट रूफिंग युक्त शेड, बैठने के प्लेटफॉर्म, स्टील रेलिंग, ग्रीन पावर आधारित इंटरलॉकिंग टाइल्स और आरसीसी बेंच स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही स्ट्रीट लाइट, स्वच्छ पेयजल सुविधा और बागवानी कार्य के माध्यम से परिसर का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और लखनऊ के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।मंदिर से जुड़ी मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव को समर्पित यह प्राचीन जलसाई नाथ मंदिर स्वयंभू माना जाता है और इसकी आयु लगभग 200 वर्ष से अधिक बताई जाती है। स्थानीय श्रद्धालुओं द्वारा निर्मित यह मंदिर समय के साथ क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है। विशेष रूप से महाशिवरात्रि और सावन के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।पर्यटन विभाग अब राज्य के प्रमुख तीर्थ स्थलों के साथ-साथ प्राचीन और कम चर्चित मंदिरों के विकास पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। इसी क्रम में लखनऊ के जलसाई नाथ मंदिर के अलावा चौक क्षेत्र के कोनेश्वर महादेव मंदिर और बारा बिरवा स्थित संत रविदास मंदिर समेत कई स्थलों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, जिससे धार्मिक पर्यटन को नया आयाम मिल सके।मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि समृद्ध विरासत, पारंपरिक व्यंजनों और प्राचीन मंदिरों की श्रृंखला से सजा लखनऊ देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

खनन राजस्व बढ़ाने को यूपी सरकार सक्रिय, माला श्रीवास्तव ने दिए सख्त निर्देश, नोडल अधिकारी नियुक्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खनन राजस्व प्रबंधन को सुदृढ़ करने और विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस संबंध में भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव ने सभी संबंधित अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।उन्होंने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न मदों से प्राप्त होने वाले राजस्व के देयता विश्लेषण हेतु निदेशालय स्तर पर मदवार नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इसके साथ ही प्रदेश के विभिन्न जनपदों में राजस्व प्राप्ति की गहन समीक्षा के लिए क्षेत्रीय स्तर पर भी नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं, जिससे राजस्व संग्रहण की प्रक्रिया को और अधिक व्यवस्थित व पारदर्शी बनाया जा सके।

हिंदू नववर्ष पर मैनपुरी में निकलेगी भव्य शोभायात्रा, देशभर की सांस्कृतिक झांकियां होंगी शामिल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में 19 मार्च 2026 को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर हिंदू नववर्ष के स्वागत में भव्य और गौरवमयी शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस आयोजन को विशेष और आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झांकियों और कलाकारों की प्रस्तुतियां शामिल की जाएंगी। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति विभाग और नववर्ष महोत्सव समिति, श्री एकरसानन्द आश्रम के सहयोग से किया जा रहा है।

शोभायात्रा को भव्य स्वरूप देने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से कलाकार और सांस्कृतिक दल भाग लेंगे। महाराष्ट्र की प्रसिद्ध ढोल-ताशा टीम अपनी ऊर्जावान प्रस्तुति से माहौल को उत्साहपूर्ण बनाएगी, वहीं असम की संस्कृति डांस एकेडमी द्वारा बिहू लोकनृत्य की झांकी प्रस्तुत की जाएगी। इसके अलावा केरल की प्रसिद्ध कथकली नृत्य झांकी भी मुख्य आकर्षण होगी।कार्यक्रम में ब्रज की पारंपरिक होली झांकी दर्शकों को वहां की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराएगी। गोरखपुर की वनटांगिया नृत्य झांकी, वाराणसी का मनमौजी अघोरी आर्ट ग्रुप एंड इवेंट, ओडिशा की मां पूर्णमासी घंटा पार्टी और मध्य प्रदेश के उज्जैन से श्री भरम रमैया भक्त मंडल की झांकियां भी शामिल होंगी।शोभायात्रा नवीन गल्ला मंडी से प्रारंभ होकर श्री एकरसानन्द आश्रम तक पहुंचेगी। समापन कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर का कैलाशा बैंड अपनी विशेष प्रस्तुति देगा।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि हिंदू नववर्ष हमारी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पर्व है।

मिशन शक्ति 5 .0 के तहत लखनऊ में महिलाओं को किया गया जागरूक, साइबर सुरक्षा व अधिकारों की दी गई जानकारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिलाओं को उनके अधिकारों और कानून के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बीबीडी थाना क्षेत्र के तिवारी गंज क्षेत्र में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग किया तथा महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों और साइबर क्राइम से बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही डिजिटल दुनिया में सतर्क रहने के महत्व को समझाते हुए उन्हें ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपाय भी बताए गए।अभियान के अंतर्गत महिलाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090 (महिला पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्डलाइन), 1076 (सिटीजन कॉल सेंटर), 101 (अग्निशमन), 102 व 108 (एम्बुलेंस सेवा), 112 (आपातकालीन सेवा) और 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन) की जानकारी दी गई। इसके अलावा उन्हें यूपी कॉप ऐप और अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में भी अवगत कराया गया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति 5.0 के तहत लखनऊ में 54 थानों पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, जहां महिलाओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रत्येक केंद्र पर निरीक्षक, अतिरिक्त निरीक्षक, उपनिरीक्षक और महिला उपनिरीक्षक की तैनाती की गई है।इस कार्यक्रम में महिला उपनिरीक्षक नैंसी, हेड कांस्टेबल लीलावती वर्मा और कांस्टेबल संगीता देवी सहित पुलिस टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। जागरूकता सत्र में महिलाओं को सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और डिजिटल सशक्तिकरण जैसे विषयों पर भी जानकारी दी गई।पुलिस का कहना है कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं को न केवल उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना भी है, ताकि वे किसी भी परिस्थिति में अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें।

नाका हिण्डोला में घर के अंदर युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, ई-रिक्शा चालक की मौत से परिवार में मचा कोहराम

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के नाका हिण्डोला थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक युवक ने अपने ही घर के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और परिजनों में कोहराम मच गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, रानीगंज स्थित कबीरदास का हाता मोहल्ला निवासी हीरा लाल सोनकर ने पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके पुत्र अनिल सोनकर उर्फ गोलू (लगभग 32 वर्ष) ने सुबह घर के प्रथम तल पर कमरे की छत के कुंडे से दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। घटना का पता चलते ही परिवार के लोगों में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग भी मौके पर एकत्र हो गए।सूचना मिलते ही थाना नाका हिण्डोला पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

लखनऊ में मोबाइल चोरी गैंग का भंडाफोड़ : 4 शातिर गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अपराध शाखा और मड़ियांव थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दुकानों का शटर व ताला तोड़कर मोबाइल चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। पुलिस ने इस गैंग के चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 41 मोबाइल फोन, 2 टैब, अवैध असलहा और घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है।पुलिस के अनुसार, 22 फरवरी 2026 को जानकीपुरम गार्डन निवासी अभिषेक चौधरी ने अपनी दुकान का शटर तोड़कर मोबाइल, टैबलेट और नगदी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में थाना मड़ियांव पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। लगातार मिल रही सूचनाओं और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 17 मार्च को यादव चौराहे के पास लोखड़िया मोड़ सर्विस रोड से चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार अभियुक्तों में अमन, मो. जीशान, अजमत अली उर्फ मंटू और समीर उर्फ डाबर शामिल हैं। पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह रात के समय बंद दुकानों की रेकी करता था और मौका मिलते ही शटर व ताले तोड़कर मोबाइल व टैबलेट चोरी कर लेता था। चोरी के बाद यह सामान नेपाल ले जाकर बेच दिया जाता था और उससे प्राप्त धनराशि से अपने शौक पूरे करते थे।पुलिस ने बताया कि अभियुक्त वारदात को अंजाम देने के लिए एक कार और मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करते थे, जिससे वे तेजी से स्थान बदल सकें। गिरोह के पास से 2 अवैध देशी तमंचे (.303 बोर), 1 रिवॉल्वर (.32 बोर) और कुल 9 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि अभियुक्त चोरी के दौरान पकड़े जाने की स्थिति में इन हथियारों का इस्तेमाल करने की तैयारी रखते थे।जांच में सामने आया कि इस गिरोह के खिलाफ लखनऊ के विभिन्न थानों—अलीगंज, जानकीपुरम, चिनहट, इटौंजा सहित अन्य क्षेत्रों में कई मुकदमे दर्ज हैं। विशेष रूप से मुख्य अभियुक्त अमन के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज पाए गए हैं, जिससे उसके सक्रिय अपराधी होने की पुष्टि होती है।पुलिस ने बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं में वृद्धि करते हुए अवैध असलहा रखने के मामले में अलग से मुकदमे दर्ज किए हैं। सभी अभियुक्तों को विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। साथ ही उनके आपराधिक इतिहास की विस्तृत जानकारी अन्य जनपदों से भी जुटाई जा रही है।

तेल-गैस संकट के समय आत्मनिर्भर क्यों नहीं बने?

दुनिया में जब भी मध्य-पूर्व में तनाव या युद्ध की स्थिति बनती है, तब सबसे पहले तेल-गैस की कीमतों पर असर पड़ता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करते हैं, ऐसे समय में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर इतने वर्षों बाद भी भारत तेल-गैस के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर क्यों नहीं बन पाया?

सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत के पास सीमित प्राकृतिक तेल-गैस भंडार हैं। देश में कुछ क्षेत्रों—जैसे समुद्री तटों और पूर्वोत्तर राज्यों—में तेल-गैस मिलती है, लेकिन यह हमारी बढ़ती जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है। आज भी भारत अपनी लगभग 80-85 प्रतिशत कच्चे तेल की जरूरत विदेशों से आयात करता है। दूसरा कारण यह है कि ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक विकास, बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या में तेजी से वृद्धि के कारण तेल-गैस की खपत लगातार बढ़ती जा रही है। घरेलू उत्पादन इस गति से नहीं बढ़ पाया।तीसरा कारण नीतिगत और तकनीकी चुनौतियाँ भी रही हैं। कई बार तेल-गैस की खोज और उत्पादन के लिए पर्याप्त निवेश, आधुनिक तकनीक और निजी क्षेत्र की भागीदारी समय पर नहीं बढ़ पाई। इसके कारण संभावित भंडारों का पूरा उपयोग नहीं हो सका।

हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना, जैव-ईंधन (एथेनॉल) का उपयोग बढ़ाना, इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना और नए तेल-गैस क्षेत्रों की खोज करना इसी दिशा के प्रयास हैं।स्पष्ट है कि तेल-गैस में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करना आसान नहीं है, लेकिन ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर भारत अपनी निर्भरता जरूर कम कर सकता है। यही भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा का रास्ता भी है। देश में बार-बार उभरने वाला तेल-गैस संकट यह संकेत देता है कि केवल आयातित ऊर्जा पर निर्भर रहना लंबे समय तक सुरक्षित रणनीति नहीं हो सकती। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बढने या भू-राजनीतिक तनाव होने पर देश की अर्थव्यवस्था तुरंत प्रभावित हो जाती है। ऐसे में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देना और घरेलू उत्पादन को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।सबसे पहले, सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों का तेजी से विस्तार करना होगा। भारत भौगोलिक रूप से सौर ऊर्जा के लिए बेहद अनुकूल देश है। अगर गांव-गांव में रूफटॉप सोलर प्लांट और बड़े सौर पार्क स्थापित किए जाएँ तो बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा स्वदेशी और स्वच्छ स्रोतों से प्राप्त किया जा सकता है। इसी तरह तटीय क्षेत्रों और खुले मैदानों में पवन ऊर्जा की अपार संभावनाएँ हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम घरेलू तेल और गैस उत्पादन को बढ़ाने का है। इसके लिए नई खोज, आधुनिक तकनीक और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। समुद्री क्षेत्रों और कठिन भौगोलिक इलाकों में ऊर्जा संसाधनों की खोज के लिए सरकार को स्पष्ट नीतियाँ और आसान नियम बनाने होंगे, ताकि घरेलू उत्पादन में तेजी आ सके।इसके साथ-साथ जैव ईंधन, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को भी ऊर्जा नीति का अहम हिस्सा बनाना होगा। एथेनॉल मिश्रण, बायोगैस प्लांट और कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन जैसे प्रयास न केवल ऊर्जा संकट को कम करेंगे बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं।अंततः ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल सरकारी नीतियों से ही नहीं, बल्कि जनभागीदारी से भी संभव है। ऊर्जा की बचत, सौर ऊर्जा अपनाने और स्वच्छ तकनीक के उपयोग में आम नागरिक की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि सरकार, उद्योग और समाज मिलकर प्रयास करें तो भारत न केवल ऊर्जा संकट से उबर सकता है, बल्कि आने वाले वर्षों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम भी बढ़ा सकता है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, तेल-गैस संकट और आपूर्ति श्रृंखला में बार-बार आने वाली बाधाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी देश की आर्थिक मजबूती का आधार उसका मजबूत घरेलू उत्पादन होता है। यदि भारत को दीर्घकालीन आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो घरेलू उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। सबसे पहले लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को मजबूत करना आवश्यक है। यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार पैदा करता है और स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ाता है। सरकार को इन उद्योगों को सस्ती पूंजी, तकनीकी सहायता और आसान नियम उपलब्ध कराने चाहिए।दूसरा महत्वपूर्ण कदम कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देना है। यदि कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण देश में ही बड़े पैमाने पर होगा, तो किसानों की आय भी बढ़ेगी और आयात पर निर्भरता भी कम होगी।तीसरा, तकनीक और नवाचार को उत्पादन से जोडना जरूरी है। आधुनिक मशीनों, डिजिटल तकनीक और अनुसंधान के माध्यम से उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों बढ़ाई जा सकती हैं।

ईरान हार कर भी जीत जाएगा

पंकज शर्मा

युद्ध तीन हफ्ते चले या तीन महीने, जब ख़त्म होगा तो ईरान अगर हारा तो हार कर भी जीत जाएगा और इज़राइल-अमेरिका जीते भी तो जीत कर हार जाएंगे। इस युद्ध का नतीजा कुछ भी निकले, एक बात तय है कि इस के बाद किसी भी देश पर आक्रमण करने की हिम्मत अमेरिका बरसों-बरस नहीं करेगा।

दुनिया भर को हर वक्त अपनी धौंसबाज़ी के तेवर दिखाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान से उलझने के बाद भीतर से इतने भयभीत हो गए हैं कि अंडे के आकार वाले अपने दफ्तर में आसपास खड़े पादरियों के साथ थरथर मुद्रा में बैठे पूजा-पाठ कर रहे हैं। ट्रंप ने अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों से चुनींदा पादरियों को ओवल ऑफिस बुलाया। पादरियों ने अपने हाथ ट्रंप के बदन पर रखे और प्रार्थना की कि 'इस चुनौतीपूर्ण दौर में' उन्हें 'अलौकिक मार्गदर्षन' और 'बुद्धमत्ता हासिल हो। अमेरिकी सेना की हिफ़ाज़त के लिए भी पादरियों ने विशेष आराधना की। ट्रंप अर्चना-वंदना की पूरी अवधि में अपनी कुर्सी पर सिर झुका कर बैठे रहे और मन-ही-मन कुछ बुदबुदाते रहे।

इस पूजन के मुख्य पादरी टॉम मुलिन्स थे। वे दक्षिण फ्लोरिडा के क्राइस्ट फैलोशिप चर्च के संस्थापक हैं। पादरी बनने के पहले वे फुटबॉल-कोच थे। पॉम बीच गार्डन्स में रहते हैं। ट्रंप का मूल निवास मार-ए-लागो रिसॉर्ट क्लब भी पॉम बीच गार्डन्स में ही है। पूजा-पाठ के बारे में मुलिन्स ने बताया है कि हम ने परमपिता से प्रार्थना की है कि वे ट्रंप के दिलो-दिमाग को इस मौक़े पर विवेक-बुद्धि से ओतप्रोत रखें। हम ने देवलोक से यह अनुरोध भी किया है कि वह अमेरिकी सेना की रक्षा करे।

लक्षण साफ हैं। ट्रंप बाहर से दहाड़ रहे हैं, मगर अंदर-ही-अंदर ख़ुद की मिमियाहट ख़ुद ही सुन रहे हैं। उन्हें अहसास हो गया है कि ईरान के मामले में वे बुरी तरह फंस गए हैं। ईरान को ले कर उन का आकलन ग़लत निकल गया है। तबाह होते ईरान ने इज़राइल को भी बर्बाद करने में कोई कसर बाक़ी नहीं रखी है। अरब और खाड़ी के मुल्क़ों में जितने भी अमेरिकी सैन्य अड्डे थे, उन्हें ईरान ने तक़रीबन ध्वस्त कर दिया है। अमेरिकी प्रशासन को ईरान की तरफ़ से इतने असरदार प्रतिकार का अंदाज़ नहीं था। सो, अब ट्रंप को लग रहा है कि उन्होंने इज़राइली प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू के चक्कर में अच्छी-ख़ासी मुसीबत मोल ले ली है।

ईरान-प्रसंग में अमेरिका दुनिया में अकेला-सा पड़ गया है और ट्रंप अमेरिका में अकेले पड़ गए हैं।

अमेरिकी संसद से ले कर वहां की सड़कों तक पर ट्रंप विरोधी माहौल है। उन्हें अमेरिका को नाहक एक परेशानी में फंसाने के लिए ज़िम्मेदार माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्रसंघ भी ईरान युद्ध की बेहद सख़्ती से निंदा कर चुका है। ज़्यादातर देश ईरान पर हमले को अनुचित बता चुके हैं। इन में वे देश भी शामिल हैं, जो आमतौर पर अमेरिका के हमजोली और हमसफ़र माने जाते हैं। ज़ाहिर है कि इस सब ने ट्रंप के आत्मविश्वास को भीतर से बुरी तरह हिला दिया है और वे पालनहारे की शरण में चले गए हैं। 'तेरे बिन हमरा कौनो नाहीं की यह मनोदशा किन परिस्थितियों में व्यक्ति का आलिंगन करती है, आप जानते ही हैं।

युद्ध तीन हफ्ते चले या तीन महीने, जब ख़त्म होगा तो ईरान अगर हारा तो हार कर भी जीत जाएगा और इज़राइल-अमेरिका जीते भी तो जीत कर हार जाएंगे। इस युद्ध का नतीजा कुछ भी निकले, एक बात तय है कि इस के बाद किसी भी देश पर आक्रमण करने की हिम्मत अमेरिका बरसों-बरस नहीं करेगा। ईरान युद्ध से दुनिया भर में उस की दादागीरी का, उस की धौंसपट्टी का, उस की लुच्चागिरी का अंतिम अध्याय लिखा जा रहा है। यह युद्ध ट्रंप की व्यक्तिगत राजनीतिक यात्रा पर भी पूर्ण विराम लगाने वाला साबित होगा।

ईरान युद्ध से किस-किस की अर्थव्यवस्था पर क्या-क्या असर पड़ेगा, इस का विश्लेषण अलग-अलग विशेषज्ञ हर रोज़ कर रहे हैं। युद्ध के नफ़ा-नुक़्सान पर 'जाकी रही भावना जैसी के आवरण से झांकती टिप्पणियां हम आजकल दिन-रात सुन-पढ़ रहे हैं। इस युद्ध से पूरी दुनिया पर होने वाले तरह-तरह के प्रभावों को हम आने वाले दिनों में देखेंगे-भुगतेंगे। मगर जो सब से बड़ा और तक़रीबन अमिट असर यह युद्ध छोड़ कर जाएगा, वह यह होगा कि दशकों-दशक लोग यह याद करेंगे कि, अमेरिका और इज़राइल तो छोड़िए, किस तरह अपने-अपने स्वार्थ साधने की हवस में किन-किन मुल्क़ों ने नैतिकता और न्याय के सिद्धांतों को उठा कर ताक पर रख दिया था?

अर्थवान लोग कभी नहीं भूलेंगे कि कैसे, जब शांति वार्ताएं जारी थीं और चौबीस घंटे बाद एक समझौते पर दस्तखत करने के आसार पूरी तरह बन गए थे, तब अमेरिकी बघेरे ने ईरानी मेमने पर खराब हो गई अपनी नीयत को एकदम नंगा कर दिया और कौन-कौन फिर भी तमाशबीन बना रहा? कैसे, जब तमाम अंतरराष्ट्रीय नियम-परंपराओं को लात मार कर किनारे कर देने के बाद एक सार्वभौम मुल्क़ के सर्वोच्च नेता की हत्या कर दी गई तो किन-किन की ज़ुबान से अफ़सोस के दो लफ्ज़ भी नहीं निकले? कैसे जब भारत का मेहमान बन कर आए हथियारविहीन ईरानी युद्धपोत को अपने घर वापस जाते वक्त अमेरिकी पनडुब्बी ने हिंद महासागर में टारपीडो से ध्वस्त कर दिया तो, बाकी तो छोड़िए, मेज़बान तक की ज़बान भी ख़ामोश ही बनी रही?

लोग याद करेंगे कि एक ऐसा भी वक्त था, जब पांच-छह हज़ार बरस पुरानी सभ्यता को अपने में समाए एक मुल्क़ के अनीतिपूर्ण विध्वंस पर, उतनी ही पुरानी सभ्यता की विरासत वाले एक देश में ऐसे लोग भी मौजूद थे, जिन की ख़ुषी का कोई ठिकाना नहीं था। वे इस बर्बादी का ज़श्न मना रहे थे। कौन भूलेगा कि विश्व राजनय के मूल्यों, परंपराओं और पवित्रता का जब पूरी निर्लज्जता से चीरहरण हो रहा था तो यह दृश्य देख कर भी किस-किस की पराक्रमी छाती सिकुड़ कर चूं-चूं बन गई थी?

मुझे तो अच्छी तरह याद है। आप को भी याद है न कि जब अलगू चौधरी अपने दोस्त जुम्मन शेख के ख़िलाफ़ फ़ैसला देने से हिचकिचा रहा था तो खाला जान ने उस से क्या सवाल किया था? खाला जान ने पूछा था, 'क्या बिगाड़ के डर से ईमान की बात न कहोगे? प्रेमचंद की कहानी पंच परमेश्वर में खाला जान का यह प्रश्न इतिहास का सब से मार्मिक प्रश्न है। यही प्रश्न आज मुझे अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के सिर पर मंडराता दिख रहा है। यही प्रश्न मुझे अपने चौथे स्तंभ के पीछे से झांकता दिखाई दे रहा है कि बिगाड़ के डर से क्या ईमान की बात न कहोगे?

इस सवाल को परे धकेलने वाले आने वाली पीढ़ियों के गुनाहगार होंगे। हमारी भावी नस्लें उन पर इसलिए शर्म करेंगी कि एक समय ऐसा भी आया था कि अन्याय का प्रतिकार गौतम और गांधी के जिस देश की जन्मघुट्टी में था, उस के तत्कालीन कर्णधार अपने गुदगुदे गद्दों की लिप्सा में अपने फ़ज़र् निभाना भूल गए थे। भारत का भविष्य नज़रें उठा कर जी सके, ऐसा कुछ करने में अभी भी शायद बहुत देर नहीं हुई है। देखें, क्या होता है?

डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने योग की पहुँच को और अधिक बढ़ाया है, जिससे साक्ष्य-आधारित पद्धतियाँ सीधे लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन रही हैं। एम-योग मोबाइल एप्लिकेशन और वाई-ब्रेक प्रोटोकॉल जैसे प्रयास यह दिखाते हैं

टिप्पणी

नेपाल में महिला दिवस पर चुनावी गिफ्ट

नेपाल में बिना होहल्ले और शोरशराबे के चुनाव सम्पन्न हो गये। ईरान-इस्रायल जंग के दरम्यां हुये इस चुनाव की ओर लोगों का ज्यादा ध्यान नहीं गया, किंतु महिला दिवस पर आये नतीजों ने छोटे मुल्क में बड़ी इबारतें लिख दीं। मतदाताओं ने वाम और दक्षिण को धता बतायी, राजशाही के समर्थकों को ठेंगा दिखाया और फकत चार साल पहले वजूद में आई पार्टी - राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को प्रचंड जनादेश प्रदान किया। जनादेश के फलस्वरूप 35 वर्षीय बालेन शाह नेपाल के युवतम प्रधानमंत्री होंगे। इस पद तक पहुँचे वह पहले मधेशी और पहले बौद्ध मतावलंबी भी हैं।

इस दूरगामी महत्त्व के चुनाव की एक और खासियत रही कि आरएसपी की 16 प्रत्याशिनों में से 13 विजयी रहीं। बिला शक इसे महिला दिवस पर नेपाली मतदाताओं की खूबसूरत और काबिले तारीफ गिफ्ट माना जा सकता है।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने महिला उम्मीदवारों की सफलता मंत एक मील का पत्थर हासिल किया है, जिसमें उसकी 16 में से 13 महिला उम्मीदवार विजयी हुई हैं। ज़्यादातर विजेताओं ने भारी अंतर से अपनी सीटें हासिल कीं, जो पार्टी की महिला नेताओं के लिए समर्थन की एक मज़बूत लहर को दिखाता है।हालांकि, पार्टी को तीन हार का सामना करना पड़ा। बिनीता कठायत जुमला में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के ज्ञानेंद्र शाही से हार गईं; सरीन तमांग को सुनसरी-1 में श्रम संस्कृति पार्टी के हरका राज राय ने हराया; और ताशी ल्हांजोम हुमला में चौथे स्थान पर रहे।

रंजू दर्शना ने काठमांडू-1 में पार्टी का खाता खोला, ललितपुर-3 में, तोसिमा कार्की ने लगातार दूसरा कार्यकाल हासिल किया। सबिता गौतम, जिन्होंने 2022 के चुनाव में काठमांडू-2 का प्रतिनिधित्व किया था, ने सफलतापूर्वक अपना निर्वाचन क्षेत्र चितवन-3 में स्थानांतरित कर दिया। उन्हें 59,277 वोट मिले, जिससे उन्होंने नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी की उम्मीदवार रेणु दाहाल, जो भरतपुर मेट्रोपॉलिटन सिटी की पूर्व मेयर थीं, को भारी हार का सामना करना पड़ा। रेणु दाहाल पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड की बेटी हैं.

मोरंग-6 में, काठमांडू यूनिवर्सिटी से एमबीए ग्रेजुएट रुबीना आचार्य ने 55,513 वोटों के साथ ज़बरदस्त जीत हासिल की। और दक्षिण में मोरंग-5 में, पब्लिक हेल्थ ग्रेजुएट और पहले हेल्थ वॉलंटियर रहीं आशा झा ने 20,000 से ज़्यादा वोटों के अंतर से जीत हासिल की। झापा में, क्रस्क्क ने दो जीत दर्ज कीं। निशा डांगी (झापा-1) ने 45,680 वोट हासिल किए. पूर्व डिप्टी स्पीकर इंदिरा राणा मगर (झापा-2) को 60,110 वोट मिले।

सरलाही-1 में, नितिमा भंडारी कार्की ने 44,181 वोटों के साथ जीत हासिल की, एक सफल एग्रीकल्चरल एंटरप्रेन्योर कोमल ग्यावली कैलाली-1 से 17,862 वोटों के साथ चुनी गईं। सोशल वर्कर बीना गुरुंग ने 37,750 वोट हासिल किए और कास्की-3 में कांग्रेस उम्मीदवार मनोज गुरुंग को 24,970 वोटों के अंतर से हराया। सोशल मीडिया एक्टिविस्ट आशिका तमांग 39,128 वोटों के साथ संसद में पहुंचीं, उन्होंने धादिंग-1 में यूएमएल के पुराने नेताओं भूमि प्रसाद त्रिपाठी और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के राजेंद्र प्रसाद पांडे को हराया। सप्तरी-1 से छत्तीस साल की पुष्पा कुमारी चौधरी ने 38,195 वोटों के साथ बड़ी जीत हासिल की। महोतरी-4 में, गौरी कुमारी ने 30,132 वोट हासिल किए।

ब्लॉग

कौन जीतेगा चुनावी महाभारत? क्या बंगाल में होगा बदलाव? क्या केरल में आखिरी किला बचा पाएंगे वामपंथी?

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल ऐसे राज्य हैं जहां भाजपा अब तक सत्ता से दूर रही है, लेकिन इस बार वह पूरी ताकत के साथ अपनी राजनीतिक उपस्थिति को विस्तार देने की कोशिश कर रही है। इन राज्यों में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती क्षेत्रीय दल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच एक और बड़े मुकाबले की तैयारी शुरू हो चुकी है, जबकि वामपंथ अपने आखिरी किले को बचाने की जंग लड़ने की स्थिति में दिखाई दे रहा है। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में होने जा रहे विधानसभा चुनाव केवल राज्यों की सत्ता का सवाल नहीं हैं, बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाले निर्णायक राजनीतिक संघर्ष के रूप में उभर रहे हैं। इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी अपने विस्तार की रणनीति के साथ मैदान में है, जबकि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इसे भाजपा के बढ़ते प्रभाव को रोकने की आखिरी बड़ी परीक्षा के रूप में देख रहे हैं। देखा जाये तो लोकसभा चुनाव 2024 के बाद हुए कई विधानसभा चुनावों ने यह संकेत दिया कि भाजपा अभी भी राष्ट्रीय राजनीति की सबसे मजबूत ताकत बनी हुई है। विपक्ष को उम्मीद थी कि लोकसभा चुनाव में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन के बाद उसका मनोबल बढ़ेगा, लेकिन बाद के चुनावों में भाजपा ने अपनी पकड़ बनाए रखी। अब पांच राज्यों में हो चुका चुनावी शंखनाद का दौर यह तय करेगा कि क्या भाजपा उन राज्यों में भी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत कर सकती है जहां अब तक उसे सत्ता नहीं मिली है।

देखा जाये तो इन चुनावों की घोषणा ऐसे समय हुई है जब विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर व्यक्तिगत रूप से तथा एनडीए सरकार पर कई मुद्दों को लेकर लगातार हमला कर रहा है। अमेरिका के साथ व्यापार समझौता, पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण जैसे मुद्दों को लेकर सरकार पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ऐसे माहौल में इन चुनावों को जनता के वास्तविक राजनीतिक मूड की परीक्षा के रूप में भी देखा जा रहा है।

भाजपा इस चुनावी दौर में असम में सबसे अधिक आत्मविश्वास के साथ उतर रही है। 2016 से राज्य की सत्ता में मौजूद भाजपा मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में खुद को मजबूत स्थिति में मान रही है। पार्टी ने बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ और स्थानीय पहचान के मुद्दों को चुनावी बहस के केंद्र में ला दिया है, जिससे चुनावी वातावरण और अधिक तीखा हो गया है।

दूसरी ओर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल ऐसे राज्य हैं जहां भाजपा अब तक सत्ता से दूर रही है, लेकिन इस बार वह पूरी ताकत के साथ अपनी राजनीतिक उपस्थिति को विस्तार देने की कोशिश कर रही है। इन राज्यों में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती क्षेत्रीय दल हैं। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भाजपा के सबसे मुखर विरोधियों में शामिल हैं और दोनों ही नेता इस चुनावी मुकाबले में सीधे भाजपा के निशाने पर हैं।

हम आपको बता दें कि चारों राज्यों में भाजपा केवल असम में सत्ता में है, जबकि केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में वह सत्तारुढ़ गठबंधन का हिस्सा है। असम के बाद पार्टी की सबसे बड़ी राजनीतिक महत्वाकांक्षा पश्चिम बंगाल में दिखाई देती है, जहां वह तृणमूल कांग्रेस को सीधी चुनौती दे रही है। वहीं तमिलनाडु में भाजपा ने अन्नाद्रमुक के नेतृत्व में एक व्यापक गठबंधन तैयार कर द्रमुक के नेतृत्व वाले मोर्चे को घेरने की रणनीति बनाई है।

केरल का चुनाव अलग मायने रखता है क्योंकि यहां परंपरागत रूप से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा ही मुख्य मुकाबले में रहे हैं। लेकिन पिछले चुनावों में भाजपा को करीब 17 प्रतिशत मत मिलने के बाद उसे यहां एक प्रभावशाली कारक के रूप में देखा जाने लगा है। ऐसे में यह चुनाव वामपंथ के लिए अपने आखिरी मजबूत किले को बचाने की चुनौती भी बन गया है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी अभियान की कमान संभालते हुए इन सभी राज्यों में लगातार दौरे और रैलियां की हैं। विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के साथ राजनीतिक संदेश देने की रणनीति अपनाते हुए उन्होंने खास तौर पर पश्चिम बंगाल में अपने हमलों को और अधिक तीखा किया। कोलकाता में आयोजित रैली में उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सीधा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उनकी राजनीति राज्य में तुष्टिकरण की नीति को बढ़ावा देती है।

भाजपा का दावा है कि पश्चिम बंगाल में घुसपैठ और धार्मिक पहचान से जुड़े मुद्दों ने व्यापक राजनीतिक बहस को जन्म दिया है। पार्टी का मानना है कि इन मुद्दों ने राज्य में राजनीतिक ध्रुवीकरण को मजबूत किया है और इससे उसे चुनाव में फायदा मिल सकता है।

ममता बनर्जी 2011 से लगातार सत्ता में हैं और उन्होंने कई बार भाजपा की चुनौती को रोकने में सफलता हासिल की है। हालांकि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 18 सीटें जीतकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया था। इसके बाद हुए चुनावों में भाजपा का मत प्रतिशत लगभग 38 से 39 प्रतिशत के बीच स्थिर रहा है, जिससे पार्टी को उम्मीद है कि इस बार वह ममता बनर्जी के किले में बड़ी सेंध लगा सकती है।

कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं हैं। 2014 के बाद से राष्ट्रीय राजनीति में लगातार कमजोर होती जा रही कांग्रेस अब इन चुनावों के जरिये अपने राजनीतिक अस्तित्व को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पार्टी को उम्मीद है कि केरल में जीत उसके लिए नई राजनीतिक ऊर्जा लेकर आ सकती है।

असम में कांग्रेस ने गौरव गोगोई जैसे अपेक्षाकृत युवा चेहरे को आगे कर नई रणनीति अपनाई है। पार्टी का लक्ष्य कम से कम इतना प्रदर्शन करना है कि यह धारणा टूट सके कि असम पूरी तरह भाजपा का गढ़ बन चुका है। तमिलनाडु में कांग्रेस द्रमुक के साथ गठबंधन में है, हालांकि सीटों के बंटवारे को लेकर शुरुआती मतभेद भी सामने आए। वहीं अभिनेता विजय की नई पार्टी के उभार ने चुनावी समीकरण को और जटिल बना दिया है, जिससे तीन कोणीय मुकाबले की संभावना बन रही है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ने इस बार अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। पिछले चुनाव में पार्टी को शून्य सीट और केवल तीन प्रतिशत मत मिले थे। इस बार उसका लक्ष्य कम से कम पंद्रह प्रतिशत मत हासिल कर अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता को फिर से स्थापित करना है। कुल मिलाकर असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल के चुनाव केवल क्षेत्रीय सत्ता की लड़ाई नहीं हैं। यह चुनाव इस बात का संकेत भी देंगे कि क्या नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा का राजनीतिक विस्तार जारी रहेगा या राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष कोई नया राजनीतिक संतुलन स्थापित कर पाएगा। वैसे इसमें कोई दो राय नहीं कि आने वाले महीनों में यह चुनावी संघर्ष भारतीय राजनीति के सबसे तीखे मुकाबलों में से एक बन सकता है।

बदायूं मर्डर केस में बड़ा एक्शन: एचपीसीएल अधिकारियों के हत्यारोपित की दुकानों पर गरजा बुलडोजर

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सीबीजी प्लांट के दो अधिकारियों की हत्या के आरोपित अजय प्रताप सिंह उर्फ रामू की छह दुकानों पर बुलडोजर कार्रवाई शुरू हो गई है।

दातागंज तहसील और पीडब्ल्यूडी की टीम ने सैजनी गांव पहुंच कर हजरतपुर मार्ग पर स्थित उसकी छह दुकानों को गिराना शुरू कर दिया है। यह दुकानें बिना नक्शा पास कराए अवैध रूप से बनाई गई थीं। इससे पहले घटनाक्रम के अनुसार, नौकरी से निकालने पर बौखलाए पूर्व जिला पंचायत सदस्य अजय प्रताप सिंह ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम के उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता और सहायक मुख्य प्रबंधक हर्षित मिश्रा की हत्या कर दी। उसने गुरुवार दोपहर को सैजनी गांव के कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) प्लांट में घुसकर दोनों अफसरों को दौड़ाकर गोलियां मारीं।

इसके बाद थाने पहुंचकर कहा, 'दोनों की हत्या कर आया हूं।' उसका दुस्साहस एक दिन में दोहरे हत्याकांड तक नहीं पहुंचा। वह छह महीने से धमका रहा था, इससे परेशान नोएडा निवासी सुधीर गुप्ता स्वेच्छिक सेवानिवृति ले चुके थे। उनका कार्यकाल 31 मार्च तक था। उन्होंने अजय पर दो मुकदमे दर्ज कराए परंतु, पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी नहीं की थी।

जनवरी 2024 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 50 एकड़ के सीबीजी प्लांट का उद्घाटन किया था। इसका संचालन करने वाली हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड कंपनी किसानों से पराली खरीदती है। इससे प्रतिदिन 14 मीट्रिक टन ईंधन व 65 मीट्रिक टन जैविक खाद बनती है। सैंजनी निवासी अजय इसमें ठेकेदार के माध्यम से नौकरी करता था।

वह अक्सर दबंगई दिखाता, अफसर टोकते तो उन्हें हड़का देता था। उसने एक फर्म बनाकर पराली आपूर्ति भी शुरू कर दी थी। करीब एक साल पहले सुधीर गुप्ता उप महाप्रबंधक बनकर आए तो उन्होंने अजय पर सख्ती शुरू की। चार महीने पहले ठेकेदार से कहकर उसे नौकरी से निकाला तो रंजिश मानने लगा। वह अक्सर जबरन प्लांट में घुसकर धमकाता था कि नोएडा के बदमाशों के गिरोह का सदस्य है।

अपने शरीर पर चाकू के निशान दिखाकर कहता कि मरने का डर नहीं है मगर, छोड़ूंगा किसी को नहीं। प्लांट कर्मचारियों ने बताया कि प्रवेश प्रतिबंधित होने के बावजूद वह जबरन आकर रंगदारी भी वसूलता था। उससे परेशान होकर सुधीर गुप्ता ने अक्टूबर में धमकाने, काम में बाधा डालने आदि धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। जनवरी में उसने सुधीर गुप्ता को रास्ते में घेरने का प्रयास किया।

उनकी कार का पांच किमी तक पीछा किया, डराया-धमकाया ताकि वह नौकरी छोड़कर भाग जाएं। ऐसे में सुधीर ने चार फरवरी को उसके विरुद्ध अपहरण के प्रयास, धमकाने, प्लांट में दबंगई दिखाने का मुकदमा दर्ज कराया था। वह छह महीने से बेहद तनाव में थे परंतु, पुलिस इस प्रकरण को गंभीरता से नहीं ले रही थी।

गुरुवार दोपहर एक बजे अजय दूसरी शिफ्ट कर्मचारियों को लाने वाली बोलेरो में बैठकर प्लांट के अंदर तक पहुंच गया। उसे पता था कि यदि वह पैदल या अपने वाहन से आया तो गेट पर रोक लिया जाएगा। ऐसे में बोलेरो चालक को धमकाकर उसमें बैठ गया। परिसर में पहुंचकर वह प्रशासनिक भवन की ओर बढ़ा तो कर्मचारियों ने रोक लिया।

इसी बात नोकझोंक व शोर-शराबा होने पर सुधीर गुप्ता व हर्षित मिश्रा बाहर आए। उन्हें देखते ही अजय ने पिस्टल तान दी। सुधीर बचकर भागे तो उसने पीछा कर उनके माथे व सीने पर गोलियां मारीं। इस बीच हर्षित के सामने पर उनके सीने में फायर झोंक दिया। तीन गोलियां लगने से दोनों अफसर लहूलुहान होकर गिर गए।

चीख-पुकार व अफरातफरी के बीच कर्मचारियों ने पुलिस को फोन किया, इस बीच आरोपित भागकर थाने पहुंच गया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि उसे दबिश देकर गिरफ्तार किया। एसएसपी बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिसकर्मी सुधीर व हर्षित को सामुदायिक स्वास्थ्य लेकर गए मगर, चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। आरोपित पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। हर्षित पीलीभीत के पूरनपुर के रहने वाले थे।

महाराष्ट्र से आए नये उप महा प्रबंधक के सामने हत्याकांड

कर्मचारियों के अनुसार, सुधीर गुप्ता ने धमकियों से परेशान होकर स्वैच्छिक सेवानिवृति ले ली मगर, 31 मार्च तक कार्यभार था। वह मूल रूप से नोएडा के सिल्वर एस्टेट अपार्टमेंट, सेक्टर 50 के निवासी थी। कुछ समय से उन्होंने बरेली में किराये पर फ्लैट ले लिया था। उनके स्थान पर नये उप महाप्रबंधक की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही, जोकि महाराष्ट्र के निवासी हैं। उन्हें एक अप्रैल से ज्वाइन करना था इसलिए गुरुवार को प्लांट देखने आ गए। जिस समय हमलावर अजय प्रशासनिक भवन की ओर बढ़ा, तब सुधीर गुप्ता, हर्षित नये उप महाप्रबंधक से बातचीत कर रहे थे। शोर होने पर तीनों लोग बाहर आए। उन्हीं के सामने अजय ने सुधीर व हर्षित की हत्या कर दी। घटना देखकर वह शाम को महाराष्ट्र लौट गए।

हत्यारोपित की राजनीतिक पृष्ठभूमि

हत्यारोपित अजय प्रताप सिंह कुछ वर्ष पहले निर्दलीय जिला पंचायत सदस्य बना था। उसकी कई नेताओं से नजदीकी थी। गांव में उसकी ऐसी हनक थी कि अपने शागिंद को प्रधान बनवा दिया था। सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान अपनी मां किरन देवी के नाम आवंटित करा ली थी। वह नौकरी के बहाने फैक्ट्री के अंदर प्रवेश पाकर पराली का ठेका लेने लगा था। स्थानीय होने के कारण कंपनी के लोगों से रंगदारी वसूलता था। सुधीर गुप्ता ने इन सब पर रोक लगा दी, इसी कारण वह बौखला गया।

वेतन को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारियों का फूटा गुस्सा, दी एक हफ्ते की चेतावनी

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। राज्य कर्मचारी कल्याण समिति चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति विभाग सुलतानपुर के तत्वाधान में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के समस्त कर्मचारियों ने विगत फरवरी माह का वेतन न मिलने के कारण मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं प्रधानाचार्य कार्यालय पर प्रदर्शन कर वेतन भुगतान करने की मांग की ज्ञात हो की विगत फरवरी माह में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने स्पष्ट आदेश जारी किया था कि कर्मचारियों को होली से पहले वेतन का भुगतान कर दिया जाए। परन्तु खेद का विषय है कि मुख्यमंत्री के आदेशों की अवहेलना करते हुए विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने आज तक भुगतान न कर कर्मचारियों को आंदोलन पर जाने के लिए विवश कर दिया गया है। यहाँ यह भी अवगत कराना है कि हमारे मुस्लिम भाइयों की महत्वपूर्ण त्यौहार ईद में भी सूखा रहेगा। आज प्रर्दशन के माध्यम से अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि यदि एक सप्ताह के अंदर वेतन का भुगतान न किया गया तो आंदोलन प्रारंभ कर दिया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी उच्च अधिकारियों की होगी। प्रर्दशन में राजकीय नर्सेज संघ की अध्यक्ष रेनू मिश्रा मंत्री चंद्रिका प्रसाद चतुर्थ श्रेणी के मंत्री राम रतन कोषाध्यक्ष चुन्नीलाल उपाध्यक्ष कमालुद्दीन आडीटर सलीम खान नेत्र परिक्षण अधिकारी संघ अध्यक्ष जय भीम लैबटेक्नीशियन संघ के अध्यक्ष विजय चौधरी मंत्री धर्मेन्द्र यादव एक्सरे टेक्निशियन अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव के अतिरिक्त विभाग के समस्त कर्मचारियों ने भाग लिया।

बंदरों से फसल बचाने को किसान बना भालू, अनोखे तरीके से कर रहा खेत की रखवाली

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। संभल ब्लॉक क्षेत्र के गांव फिरोजपुर के जंगल में बंदरों का प्रकोप बना हुआ है। घर से लेकर जंगल तक में आतंक है। घरों में नुकसान के साथ फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे चिंतित कई किसानों ने अब अनूठा तरीका अपनाया है। वे भालू जैसी पोशाक पहनकर फसलों की रखवाली कर रहे हैं।

गांव फिरोजपुर में बंदरों की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। गांव के निवासी अनमोल गर्ग बताते हैं कि बंदर निगाह चूकते ही नुकसान कर देते हैं। कभी रोटी ले जाते हैं तो कभी खाने का कोई सामान ले जाते हैं। यही नहीं, कपड़े व अन्य सामान को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

खेती-किसानी करके परिवार को पाल रहे हैं लेकिन इसमें बंदर ज्यादा नुकसान पहुंचा देते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद भालू जैसी पोशाक ली और फिर इसे पहनकर बंदरों को भगाने का प्रयास किया जाता है। पूरा दिन इसी में गुजर जाता है। - **धर्मवीर, फिरोजपुर**

बंदरों का आतंक बेहिसाब है। इन्हें डराने की उम्मीद में भालू जैसी पोशाक पहन लेते हैं और फिर पूरे दिन रखवाली करते हैं। जरा सी लापरवाही पर बंदर पूरी फसल को चौपट कर देते हैं। बड़ी समस्या है। कोई समाधान नहीं मिल रहा है। - **शमशाद, किसान, फिरोजपुर।**

बदायूं में आरोपी अजय प्रताप सिंह की दुकानों पर चला बुलडोजर, प्रशासन ने की बड़ी कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। बदायूं के चर्चित एचपीसीएल प्लांट हत्याकांड के मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह के खिलाफ प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को सुबह उसके सैजनी गांव स्थित अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चला दिया। दातागंज तहसील प्रशासन के नेतृत्व में शुरू की गई इस कार्रवाई के दौरान आरोपी की छह दुकानों को ध्वस्त किया जा रहा है।

मंगलवार सुबह से ही सैजनी गांव में प्रशासनिक हलचल तेज हो गई थी। मौके पर एसडीएम दातागंज के नेतृत्व में राजस्व टीम और भारी पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। बुलडोजर की कार्रवाई शुरू होते ही आसपास के क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई, हालांकि पुलिस ने सुरक्षा घेरा बनाकर स्थिति को नियंत्रण में रखा।

अवैध रूप से बनाई गई थीं दुकानें

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, आरोपी अजय प्रताप सिंह की ये दुकानें अवैध रूप से बनाई गई थीं, जिनके खिलाफ पहले से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने नोटिस जारी किया गया था। नियमानुसार जवाब न मिलने और दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अमल में लाई गई।

गौरतलब है कि सैजनी गांव स्थित एचपीसीएल प्लांट में हुए दोहरे हत्याकांड के बाद से प्रशासन पूरी तरह सख्त रुख अपनाए हुए है। घटना के बाद से ही आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ उनकी संपत्तियों की जांच भी की जा रही थी। आरोपी अजय प्रताप सिंह को लेकर रोज नए खुलासे हो रहे हैं।

हत्याकाण्ड में थानाध्यक्ष सहित तीन निलम्बित

जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र के गोबरा गांव में एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस विभाग ने कार्रवाई हुई है। ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में चंदवक थाना प्रभारी सत्य प्रकाश सिंह, हल्का इंचार्ज उपनिरीक्षक सुरेश तिवारी और बीट आरक्षी राजकुमार यादव को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने यह कार्रवाई चंदवक में हुई घटना के बाद की है। उन्होने चेतावनी दी है कि जनता की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक होने पर सीधे कार्रवाई की जाएगी और काम में ढिलाई बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निलंबित किए गए पुलिसकर्मी अपराध रोकने में नाकाम रहे थे। ज्ञात हा कि चंदवक थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर रविवार देर रात लाठी-डंडों से पीटकर एक युवक की हत्या कर दी गई थी। मृतक की पहचान गोबरा गांव निवासी सच्चिदानंद मिश्रा के रूप में हुई थी। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

तालाब पाटकर निर्माण किया, ग्रामीणों का विरोध

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पूरा शेरखां दक्खिनपट्टी में ग्राम सभा की सार्वजनिक तालाब की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला प्रकाश में आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा तालाब को पाटकर उस पर निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिससे जल निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है और गांव में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।बताया गया कि ग्राम सभा की जल खाते की भूमि, जो अभिलेखों में तालाब के रूप में दर्ज है, पर गांव निवासी विश्वनाथ पुत्र रजिन्दर द्वारा कथित रूप से ग्राम प्रधान व कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध कब्जा कर लिया गया है। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने समय-समय पर तालाब में मिट्टी डालकर उसे पाट दिया, पेड़ लगाकर ईंट का चबूतरा बनाया और अब बाउंड्री वाल का निर्माण भी कर लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब के पाटे जाने के कारण बरसात और नाली का पानी अब तालाब में न जाकर मुख्य रास्ते पर भर जाता है।

आईआरसीटीसी ने लॉन्च किया कश्मीर का पैकेज : पांच रात छह दिन का सफर

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। गर्मियों में कश्मीर की वादियों और बर्फीले पहाड़ों के बीच सुकून के पल बिताना चाहते हैं, तो भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) आपके लिए एक शानदार मौका लेकर आया है। आईआरसीटीसी ने जन्नत-ए-कश्मीर हवाई टूर पैकेज लॉन्च किया है। पांच रात और छह दिन का यह सफर 17 अप्रैल से शुरू होगा।

22 अप्रैल तक चलने वाली इस यात्रा में पर्यटकों को श्रीनगर, सोनमर्ग, पहलगाम और गुलमर्ग की खूबसूरत वादियों की सैर कराई जाएगी। इसके लिए लोगों को लखनऊ पहुंचना होगा। वहां से सारा इंतजाम आईआरसीटीसी का रहेगा। लखनऊ से श्रीनगर आने-जाने की व्यवस्था फ्लाइट के जरिये की गई है। इस पैकेज में यात्रियों के ठहरने के लिए श्री स्टार होटल और पारंपरिक हाउस बोट की व्यवस्था रहेगी।

वहां डल झील, शंकराचार्य मंदिर, मुगल गार्डन, गुलमर्ग की गोंडोला केबल कार और बेताब घाटी जैसे प्रसिद्ध स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। पैकेज की बुकिंग पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर होगी। यात्रा का खर्च (प्रति व्यक्ति) 68,800 रुपये रहेगा। मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि इस पैकेज की बुकिंग आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट irctctourism.com पर जाकर की जा सकती है। इसमें दो व्यक्तियों के साथ ठहरने पर किराया 52,300, तीन व्यक्तियों के साथ ठहरने पर किराया 49,950 रुपये रहेगा।

भरत का चरित्र और त्याग सबसे बड़ा आदर्श है

कादीपुर/सुलतानपुर। स्थानी बाजार मुस्तफाबाद सरैया मे भव्य संगीतमयी राम कथा के तीसरे दिन सुल्तानपुर से पधारे बाल व्यास संपूर्णानंद जी महाराज ने भरत के चरित्र को विस्तार पूर्वक बताया और कहा कि भरत का त्याग और प्रेम ही सबसे बड़ा आदर्श है। रामचरितमानस में सबसे बड़ा त्याग कोई किया है तो वह है भरत जी भरत का चरित्र सुनते ही उपस्थित जनता भाव विभोर हो गई। जौनपुर से पधारे बाबा बजरंग दास जी महाराज ने केवट और राम का बहुत ही मार्मिक प्रसंग सुनाया। और अपने भजन के माध्यम से कहा कि जादू बा तोहरी चरणीय में बहुत ही अच्छी भजन के माध्यम से लोग मंत्र मुगध हो गए। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता आनंद दुबे लालमणि सिंह अमल धारी सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष ऋषिकेश ओझा अंकित मिश्रा मनोज पांडे रमेश तिवारी राम बहादुर चौहान गंगा राम विश्वकर्मा राम जी मिश्रा प्रेम शंकर पांडे कृष्ण कुमार तिवारी मोनू गिरि सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

यूपी में भाजपा नेता की हत्या : मॉर्निंग वॉक पर निकले थे राजकुमार

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर के चिलुआताल थाना इलाके के बरगदवा में मंगलवार की सुबह एक भाजपा नेता की निर्मम हत्या ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। मॉर्निंग वॉक पर निकले भाजपा नेता राजकुमार चौहान को निशाना बनाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने उन्हें चाकू से ताबड़तोड़ वार कर मार डाला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

फॉरेंसिक टीम को भी तत्काल बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और अहम साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के कारणों का सटीक पता लगाया जा सके।

हमले का तरीका और प्रारंभिक जांच

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, राजकुमार चौहान मंगलवार की सुबह बरगदवा क्षेत्र में अपनी नियमित मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इसी दौरान घात लगाए हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया। प्रारंभिक जांच और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से यह बात सामने आ रही है कि हमलावर अत्यंत क्रूर थे।

उन्होंने राजकुमार चौहान पर चाकू से हमला किया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि 50 से 60 वार करके चाकू से गोद डाला। जिसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

राजनीतिक हत्या की आशंका

राजकुमार चौहान भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य थे और क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती थी। उनकी हत्या के पीछे राजनीतिक रंजिश की आशंका भी जताई जा रही है। पुलिस इस पहलू पर भी गहनता से जांच कर रही है। हत्यारों की पहचान और उनके मकसद का पता लगाने के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं, जो अलग-अलग दिशाओं में काम कर रही हैं।

बरेली हत्याकांड: पंचायत में सास-साले का किया कत्ल, 18 घंटे बाद आरोपी का खेल खत्म

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली में सास और साले की हत्या करने वाले आरोपी अफसर खां को पुलिस ने मंगलवार सुबह मुठभेड़ में ढेर कर दिया। आरोपी अफसर ने सोमवार दोपहर भरी पंचायत में खूनी खेल खेला था। उसने चाकू से गोदकर अपनी सास और साले की बेरहमी से हत्या कर दी थी। इसके बाद मौके से भाग गया था। वारदात के 18 घंटे बाद हत्यारोपी का खेल खत्म हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने बताया कि पुलिस की तीन टीमें आरोपी की तलाश में जुटी थी। मंगलवार को सुबह करीब छह बजे इज्जतनगर इलाके के सहारा मैदान में पुलिस ने आरोपी की घेराबंदी की। इस पर आरोपी ने पिस्टल से पुलिस टीम पर लगाकर फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी को गोलियां लगी।

उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

एसएसपी के मुताबिक आरोपी अफसर खां के पास से एक पिस्टल और हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद हुआ है। मुठभेड़ स्थल पर पिस्टल, दस खोखे और कारतूस बरामद हुए हैं, जिससे स्पष्ट है कि आरोपी ने पुलिस टीम पर भारी फायरिंग की है। मुठभेड़ में दो सिपाही भी घायल हुए हैं। घायल सिपाहियों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतकों के परिजनों ने जताई संतुष्टि

हत्यारोपी अफसर खां के एनकाउंटर पर आसमां के मायकवालों ने संतुष्टि जाहिर की। पिता नन्हें खां ने पुलिस का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह पुलिस के शुक्रगुजार हैं। आरोपी को उसके गुनाह की सजा मिली है।

चचेरी बहन से किया था प्रेम विवाह

अफसर खां ने वर्ष 2017 में चचेरी बहन सायमा (30) से प्रेम विवाह किया था। सायमा की बहन शिफा और अनम के मुताबिक, घर खर्च को लेकर अफसर और सायमा के बीच अक्सर विवाद होता था। अफसर नशे का लती है। वह आए दिन सायमा को पीटता था। शनिवार शाम को भी उसने विवाद किया था। तब आसमां (50) बेटी सायमा को बुलाने उसके घर गई थीं। वहां अफसर ने आसमां के साथ मारपीट की थी। रविवार सुबह सायमा ने 112 पर कॉल करके पुलिस बुला ली थी। पुलिस ने घर से कपड़े आदि कुछ सामान दिलाकर थाने में तहरीर देने की बात कही और चली गई।

शिफा और अनम के मुताबिक, रविवार शाम को ही सायमा ने इज्जतनगर थाने में पति से जान का खतरा बताते हुए तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद अफसर के कहने पर सोमवार दोपहर एक बजे मोहल्ले के ही सराफा कारोबारी व सपा नेता राशिद खां के घर पंचायत बुलाई गई। इसमें सायमा, आसमां और आदिल पहुंचे। राशिद के घर पर उनका रिश्तेदार बबलू और मोहल्ले के तीन-चार अन्य लोग भी मौजूद थे।

चाकू से सास-साले और पत्नी पर किए थे ताबड़तोड़ प्रहार

राशिद के मुताबिक, पंचायत शुरू होते ही दोनों पक्षों में विवाद होने लगा। इसी दौरान आदिल ने अफसर को चप्पल मार दी थी। विरोध में अफसर ने भी चप्पल उठा ली। वह दोनों को रोकने लगे तभी अफसर ने कमर से चाकू निकाल लिया। उसने आसमां, आदिल और सायमा पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए और वहां से भाग गया था। राशिद ने अपनी गाड़ी से तीनों को स्टेडियम रोड स्थित अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने आसमां और आदिल को मृत घोषित कर दिया। सायमा की हालत नाजुक है।

सपा नेता राशिद खां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी अफसर खां के खिलाफ हत्या की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। मामले में डायल 112 और इज्जतनगर थाना पुलिस की लापरवाही सामने आने के बाद एसएसपी अनुराग आर्य ने एसपी ट्रैफिक/जनपदीय नोडल अधिकारी डायल 112 अकमल खान को विस्तृत जांच सौंपी है।

गंगा में नाव पर इफ्तारी में नॉनवेज खाने का आरोप, पुलिस को दिया गया वीडियो, शुरू हुई जांच

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। काशी में गंगा नदी के बीच नाव पर इफ्तार पार्टी कर चिकन बिरयानी खाने और अवशेष गंगा में फेंकने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रजत जायसवाल ने कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। तहरीर में आरोप लगाया कि मुस्लिम समुदाय के कुछ युवकों ने गंगा में नाव पर बैठकर इफ्तार के दौरान बिरयानी खाई और बचा हुआ हिस्सा गंगा में फेंक दिया। इस कृत्य से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

तहरीर के साथ घटना का वीडियो भी साक्ष्य के रूप में उपलब्ध कराया गया है। उनका आरोप है कि इस घटना से आम जनमानस में आक्रोश है। ये जानबूझकर हिंदू भावनाओं को आहत करने की मंशा से किया गया।

इसके अलावा उक्त नाव चालक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए और लाइसेंस को निरस्त किया गया। भविष्य में घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। थाना प्रभारी दयाशंकर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वीडियो की जांच की जा रही है।

गेहूं के मुकाबले ज्यादा हेल्दी क्यों होती हैं ज्वार की रोटी?

अगर आप गेहूं के बदले ज्वार की रोटियों का सेवन करना चाहते हैं, लेकिन अभी भी इस शंका में हैं कि ज्वार कितना फायदेमंद है तो इस आर्टिकल में आयुर्वेदिक एक्सपर्ट ने ज्वार की रोटियों का सेवन करने के 6 फायदों के बारे में बात की है। इन फायदों के बारे में जानकर आप जल्द ही ज्वार से बनी रोटियां खाने लगेंगे।

गेहूं की रोटी भारत में हर रोज खाई जाती है। दाल, चावल और सब्जी के साथ लोग गेहूं से बनी रोटियां ही खाना पसंद करते हैं। इसके बिना खाना पूरा नहीं होता है। दरअसल, गेहूं के आटे से बनी रोटियां न सिर्फ हमारी भूख मिटाने में मदद करती है, बल्कि इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट हमारे शरीर के लिए जरूरी होते हैं। मगर आजकल लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर सजक हो रहे हैं, जिसके चलते अब इस बात पर अक्सर डिबेट होता है कि गेहूं के बजाए हम किस आटे की रोटी खा सकते हैं।

अगर आप इनमें से एक हैं और गेहूं की जगह ज्वार के आटे से बनी रोटी का सेवन करना चाहते हैं तो सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि गेहूं के मुकाबले ज्वार से बनी रोटियां ज्यादा हेल्दी क्यों होती हैं। इस मामले में जब हमने आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ किरण गुप्ता से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि जिन्हें दिल से संबंधित समस्याएं हैं या जो लोग किडनी की समस्याओं से जूझ रहे हैं वो ज्यादातर ज्वार की रोटियां खाते हैं।

वजन को अच्छे से करे मैनेज

वजन को मैनेज करने के लिए ज्वार की रोटी एक हेल्दी ऑप्शन है। फाइबर और प्रोटीन से भरपूर ज्वार आपके पेट को अच्छे से भरने में मदद करता है और इसे खाने से आपको बाद में होने वाली क्रेविंग कम हो जाएंगी, क्योंकि ज्वार आपको लंबे समय तक फुल रखता है। इसका कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स ब्लड शुगर के लेवल को भी नियंत्रित करता है, जिससे हेल्दी वेट लॉस और ऑवरऑल हेल्थ को बेहतर बनाए रखने में मदद मिलती है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है ज्वार

ज्वार कोलेस्ट्रॉल के स्तर और ट्राइग्लिसराइड्स को कम करके हार्ट हेल्थ का समर्थन करता है। एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर से भरपूर ज्वार ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है और दिल से संबंधित समस्याओं को रोकता है। इसमें पोटेशियम कंटेंट हाई होता है, जोकि हेल्दी ब्लड वेसल्स को बनाए रखने, ऑवरऑल हार्ट हेल्थ को बढ़ावा देने और दिल से संबंधित समस्याओं के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है।

ब्लड शुगर के स्तर को करे कंट्रोल

ज्वार से बनी रोटियों में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जो इसे ब्लड शुगर के स्तर को मैनेज करने वालों के लिए एक परफेक्ट ऑप्शन बनाता है। ज्वार का धीमा डाइजेशन रेट ब्लड शुगर में अचानक हुई वृद्धि को रोकता है, जिससे आपको निरंतर एनर्जी मिलती है। यह गुण ज्वार की रोटी को डायबिटीज के मरीजों या अपने ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करने वाले लोगों के लिए एक बेहतर ऑप्शन बनाता है।

हड्डियों के लिए अच्छा है ज्वार

ज्वार का आटा फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स से भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। ज्वार की रोटी के नियमित सेवन से हड्डियां मजबूत होती हैं और ऑस्टियोपोरोसिस और फ्रैक्चर का खतरा कम होता है।

स्किन के लिए अच्छा होता है ज्वार

ज्वार की रोटी एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन कंटेंट के कारण त्वचा के लिए किसी वरदान से कम है। ज्वार में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट फाइन लाइन्स और झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। ज्वार में मौजूद विटामिन बी और ई भी कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ावा देते हैं, जिससे आप ग्लोइंग स्किन पा सकते हैं।

किडनी प्रॉब्लम से जूझ रहे लोग खाएं ज्वार की रोटी

किडनी की समस्याओं के मामले में ज्वार का आटा फायदेमंद होता है। अगर आपको किसी तरह की किडनी प्रॉब्लम है तो आप गेहूं के बजाए ज्वार के आटे से बनी रोटियों का सेवन करिए। दरअसल, ज्वार में गेहूं के मुकाबले पोषक तत्व ज्यादा होते हैं। ज्वार को रोटी के रूप में डाइट में शामिल करके आप किडनी से संबंधित समस्याओं को दूर कर सकते हैं।

मिलेट्स या गेहूं, जानें किसके आटे की रोटी है सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद

रोटी भारतीय खानपान का एक प्रमुख हिस्सा है। इसके बिना कई लोगों का खाना अधूरा रह जाता है। आमतौर पर लोग रोटी बनाने के लिए गेहूं के आटे का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, बीते कुछ समय मेम मिलेट्स की बढ़ती लोकप्रियता की वजह से अब कई लोग मिलेट्स की रोटी भी खाना पसंद कर रहे हैं। कई लोगों का यह मानना है कि गेहूं की रोटी की तुलना में मिलेट्स के आटे से बनी रोटियां ज्यादा फायदमंद होती है। अगर आप भी इसे कन्फ्यूज हैं, तो आज इस आर्टिकल में जानेंगे कि गेहूं या मिलेट्स में से किस आटे की रोटी ज्यादा सेहतमंद है।

गेहूं की रोटी

गेहूं एक लोकप्रिय अनाज है, जिसका उपयोग पारंपरिक रूप से रोटी बनाने के लिए किया जाता है। यह अनाज डाइटरी फाइबर का एक अच्छा स्रोत है, जो पाचन में सहायता करता है, आंत्र नियमितता बनाए रखता है और इससे लंबे समय पर पेट भरा हुआ महसूस होता है। साथ ही यह बी-विटामिन, आयरन, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे आवश्यक पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है, जो सेहत को फायदा पहुंचाते हैं।

मिलेट्स की रोटी

बाजरा, रागी, ज्वार जैसे अनाजों के समूह को मिलेट्स कहा जाता है। बीते कुछ समय से यह देशभर में पारंपरिक अनाज के पौष्टिक विकल्प के रूप में उभरा है। ये प्राकृतिक रूप से ग्लूटेन-फ्री होते हैं, जिससे मिलेट्स की रोटी ग्लूटेन सेंसिटिविटी या सीलिएक डिजीज वाले व्यक्तियों के लिए एक बेहतर विकल्प बन जाती है। वे फाइबर, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सिडेंट जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो आपकी डाइट में पोषण से भर देते हैं। इतना ही नहीं गेहूं की तुलना में इसमें कम जीआई होता है, जो ब्लड शुगर के स्तर को मैनेज करने और टाइप 2 डायबिटीज के खतरे को कम करने में मदद करता है।

ग्लूटेन कंटेंट: गेहूं vs मिलेट्स

ग्लूटेन-फ्री होने की वजह से मिलेट्स ग्लूटेन सेंसिटिविटी या सीलिएक डिजीज वाले लोगों के लिए एक बेहतर विकल्प साबित होती है। वहीं दूसरी ओर, गेहूं में ग्लूटेन होता है। ऐसे में अधिकांश व्यक्तियों के लिए गेंहू फायदेमंद है, लेकिन ग्लूटेन से संबंधित विकार वाले लोगों के लिए मिलेट्स की रोटी ज्यादा उपयुक्त विकल्प हो सकती है।

ब्लड शुगर पर प्रभाव: गेहूं vs मिलेट्स

कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर बनाए रखने के लिए मिलेट्स की रोटी ज्यादा बेहतर विकल्प के रूप में उभरती है। वहीं, गेंहू की रोटी भले ही संतुलित आहार का एक हिस्सा है, ब्लड शुगर पर अपेक्षाकृत ज्यादा प्रभाव डाल सकती है, जिससे ब्लड शुगर स्तर का मैनेज करने वाले व्यक्तियों को इसे लेकर विचार करना जरूरी हो जाता है।

वेट मैनेजमेंट: गेहूं vs मिलेट्स

मिलेट्स में हाई फाइबर कंटेंट होने की वजह से यह लंबे समय तक पेट भरा रखते हैं, जिससे संभावित रूप से वजन प्रबंधन में मदद मिलती है। इसी तरह, गेहूं की रोटी भी फाइबर का एक अच्छा स्रोत होने के कारण, आपको पेट भरा होने का अहसास कराती है, जिससे यह उन लोगों के लिए परफेक्ट है, जो अपना वजन नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

दिल दिमाग: गेहूं vs मिलेट्स

मिलेट्स की रोटी, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों की भारी मात्रा की वजह

ब्लड प्रेशर रेगुलेट करने में मदद कर हृदय स्वास्थ्य में योगदान देती है। ये मिनरल, फाइबर सामग्री के साथ मिलकर, हृदय संबंधी समस्याओं के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं। वहीं, अनाज की रोटी, विशेष रूप से जई और जौ जैसे हार्ट-हेल्दी ग्रेन कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर पूरे हार्ट हेल्थ पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

गेहूं या मिलेट्स: कौन ज्यादा बेहतर

जैसा कि ऊपर की गई तुलना से यह साफ हो गया है कि गेंहू और मिलेट्स की दोनों ही सेहत के लिए फायदेमंद हैं। दोनों ही तरह रोटियों की अपनी अलग खासियत है। ऐसे में अगर आप सेहतमंद रहने के लिए डाइट में शामिल करने के लिए हेल्दी ऑप्शन तलाश रहे हैं, तो मिलेट या गेहूं दोनों में से किसी को भी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं, क्योंकि दोनों की सेहत के लिए गुणकारी है।

दूबले-पतले लोग इन फूड कॉम्बिनेशन को करें ट्राई, 1 महीने में दिखेगा असर

आज कल हेल्दी और परफेक्ट बॉडी तो हर कोई चाहता है। लेकिन कुछ लोग अपने मोटापे को लेकर परेशान हैं तो कुछ दूबलेपन को लेकर। वजन बढ़ाना जितना आसान लगता है उतना होती नहीं है। अगर आप भी अपना वजन बढ़ाना चाहते हैं तो ये 5 फूड कॉम्बिनेशन ट्राई कर सकते हैं।

आज के समय में फिट और हेल्दी दिखना हर किसी की चाहत होती है। हालांकि, जहां कुछ लोग वजन कम करने की कोशिश में लगे रहते हैं, वहीं कई लोग ऐसे भी हैं जो अपने दुबले-पतले शरीर को लेकर परेशान रहते हैं। खासकर जब वजन बढ़ाने की बात आती है, तो ये आसान काम नहीं होता। कई बार सही जानकारी न होने या गलत खानपान की वजह से वजन बढ़ाने की कोशिशें बेकार हो जाती हैं।

अगर आप भी दुबले-पतले हैं और हेल्दी तरीके से वजन बढ़ाना चाहते हैं, तो आपकी डाइट में सही फूड कॉम्बिनेशन का होना बेहद जरूरी है। सही पोषण और सही समय पर भोजन करने से शरीर को जरूरी कैलोरी और पोषक तत्व मिलते हैं, जो मसल्स बनाने और वजन बढ़ाने में मदद करते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको 5 ऐसे फूड कॉम्बिनेशन बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनी डेली डाइट में शामिल करके आप 1 महीने में फर्क महसूस कर सकते हैं।

फूड कॉम्बिनेशन जो वजन बढ़ाने में मदद करेंगे

केला के साथ दही

केला कार्बोहाइड्रेट और कैलोरी से भरपूर होता है, जबकि दही में प्रोटीन और प्रोबायोटिक्स होते हैं। ये कॉम्बिनेशन पाचन को बेहतर बनाता है और वजन बढ़ाने में मदद करता है। आप नाश्ते में 1-2 कटे हुए केले को दही में मिलाकर खाएं। चाहें तो आप इसमें थोड़ा सा शहद भी मिला सकते हैं।

चावल के साथ चिकन

चावल में कार्बोहाइड्रेट होता है, जो शरीर को एनर्जी देता है। वहीं, चिकन में हाई प्रोटीन होता है, जो मसल्स बनाने के लिए आवश्यक है। ये कॉम्बिनेशन तेजी से वजन बढ़ाने में मदद करता है। दोपहर के खाने में उबले या ग्रिल्ड चिकन के साथ सफेद चावल खाएं। आप इसे मसालेदार ग्रेवी के साथ भी खा सकते हैं।

बादाम के साथ अंजीर

बादाम में हेल्दी फैट्स और प्रोटीन होते हैं, जबकि अंजीर में फाइबर और नेचुरल शुगर होती है। ये कॉम्बिनेशन शरीर को कैलोरी और पोषण दोनों देता है। आप रात को 5-6 बादाम और 2-3 सूखे अंजीर भिगोकर सुबह खाएं। ये वजन बढ़ाने के साथ-साथ पाचन को भी सुधारता है।

केले के साथ पीनट बटर

केला शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देता है, जबकि पीनट बटर में हेल्दी फैट और प्रोटीन होता है। ये कॉम्बिनेशन स्वादिष्ट होने के साथ-साथ वजन बढ़ाने में बेहद असरदार है। स्नैक्स के तौर पर केले के स्लाइस पर पीनट बटर लगाकर खाएं। आप इसे स्मूदी में भी शामिल कर सकते हैं।

खजूर के साथ दूध

खजूर में नेचुरल शुगर और फाइबर होता है, जबकि दूध कैल्शियम और प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। ये कॉम्बिनेशन तुरंत ऊर्जा देता है और शरीर को मजबूत बनाता है। रात को सोने से पहले 1 गिलास गर्म दूध में 3-4 खजूर डालकर पिएं।

अब 'बैटरी' पर दांव लगाएगी ओला, 2 हजार करोड़ से होगा कंपनी का कायाकल्प

अपनी बैटरी यूनिट ओला सेल टेक्नोलॉजीज में हिस्सेदारी बेचकर करीब 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही है। यह फंड बैटरी निर्माण क्षमता बढ़ाने और कंपनी की बैलेंस शीट मजबूत करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

ओला इलेक्ट्रिक अपनी बैटरी यूनिट ओला सेल टेक्नोलॉजीज (OCT) में हिस्सेदारी बेचकर करीब 2,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बना रही है। यह फंड जुटाने की प्रक्रिया निवेश बैंक एवेंडस कैपिटल और मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज संभाल रहे हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है जब ओला इलेक्ट्रिक अपने कारोबार को फिर से व्यवस्थित करने और बैलेंस शीट को मजबूत करने पर काम कर रही है। साथ ही कंपनी देश में बैटरी निर्माण और ऊर्जा भंडारण क्षमता बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

OCT के पास तमिलनाडु में ओला का लिथियम-आयन बैटरी सेल बनाने वाला प्लांट है, जिसकी मौजूदा क्षमता करीब 1.5 GWh है। कंपनी इसे मौजूदा वित्त वर्ष के अंत तक बढ़ाकर 6 GWh करने की योजना बना रही है। हिस्सेदारी बेचने की इस प्रक्रिया से इस बैटरी निर्माण परियोजना की बाजार वैल्यू तय करने में भी मदद मिलेगी, जो अभी तय नहीं हुई है। PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, इस परियोजना में कई वित्तीय निवेशकों ने रुचि दिखाई है, जिनमें कुछ सॉवरेन वेल्थ फंड भी शामिल हैं।

बैटरी निर्माण में बड़ा कदम

करीब 3,500 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश से बनी यह गीगाफैक्ट्री भारत में बैटरी सेल निर्माण को स्थानीय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। उद्योग के जानकारों का मानना है कि घरेलू स्तर पर बैटरी सेल बनाना जरूरी है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और देश की इलेक्ट्रिक वाहन सप्लाई चेन मजबूत हो सके। यह प्लांट दोपहिया वाहनों के अलावा कई अन्य क्षेत्रों के लिए भी ऊर्जा भंडारण उत्पाद और सिस्टम बनाने में मदद करेगा।

400 पेटेंट का पोर्टफोलियो तैयार

कंपनी की बैटरी रिसर्च और डेवलपमेंट गतिविधियां ओला बैटरी इनोवेशन सेंटर में होती हैं, जो OCT के तहत काम करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस सेंटर में 200 से ज्यादा विशेषज्ञ और रिसर्चर काम करते हैं और यहां करीब 400 पेटेंट का पोर्टफोलियो तैयार किया गया है। यह रिसर्च कई तरह की बैटरी तकनीकों पर हो रही है, जैसे निकेल-मैंगनीज-कोबाल्ट (NMC), लिथियम-आयरन-फॉस्फेट (LFP), लिथियम-मैंगनीज-आयरन-फॉस्फेट (LMFP) और लिथियम-मैंगनीज-रिच (LMR)। इसके अलावा सिलेंड्रिकल, प्रिज़मैटिक और सॉलिड-स्टेट सेल जैसे अलग-अलग बैटरी डिजाइन पर भी काम किया जा रहा है।

बढ़ेगी रिन्यूएबल एनर्जी की क्षमता

भारत में जैसे-जैसे रिन्यूएबल एनर्जी की क्षमता बढ़ेगी, ऊर्जा भंडारण की मांग भी बढ़ने की उम्मीद है। देश ने 2030 तक कुल बिजली उत्पादन का 50% रिन्यूएबल स्रोतों से हासिल करने का लक्ष्य रखा है। चूंकि सौर और पवन ऊर्जा लगातार उपलब्ध नहीं रहती, इसलिए उत्पादन और उपयोग के बीच ऊर्जा स्टोरेज सिस्टम की जरूरत बढ़ेगी। Ola पहले ही घरों के लिए बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (BESS) लॉन्च कर चुकी है और अब वह कमर्शियल ऊर्जा स्टोरेज समाधान के क्षेत्र में भी विस्तार की योजना बना रही है।

भारत का मोबाइल फोन निर्यात बीते एक दशक में 127 गुना बढ़ा : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली ,16 मार्च। भारत का मोबाइल फोन का निर्यात बीते एक दशक में 127 गुना से अधिक बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में दो लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 2014-15 में 0.01 लाख करोड़ रुपए था। यह जानकारी बुधवार को सरकार द्वारा संसद में दी गई।

लोकसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मोबाइल फोन के निर्यात में तेज बढ़ोतरी की वजह सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों की मदद से इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस करना है। इन नीतियों का उद्देश्य देश में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के लिए एक संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम का निर्माण करना है।

सरकार के अनुसार, भारत पिछले 11 वर्षों में मोबाइल फोन का शुद्ध आयातक होने से शुद्ध निर्यातक बन गया है। उन्होंने कहा, देश अब विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग सेंटर है। इसी अवधि के दौरान, भारत में इलेक्ट्रॉनिक सामानों का कुल उत्पादन लगभग छह गुना बढ़कर 2014-15 में लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपए से 2024-25 में लगभग 11.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात भी लगभग आठ गुना बढ़कर 0.38 लाख करोड़ रुपए से लगभग 3.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है। वैष्णव ने कहा कि भारत ने इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग की शुरुआत तैयार उत्पादों के प्रोडक्शन से की थी, और अब ध्यान मॉड्यूल, सब-मॉड्यूल, घटकों और यहां तक कि मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रिया में उपयोग होने वाले कच्चे माल, औजारों और मशीनरी के विकास पर केंद्रित हो गया है।

सरकार ने घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन-संबंधित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई), इलेक्ट्रॉनिक घटकों और अर्धचालकों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर योजना शामिल हैं।

मंत्री ने बताया कि आईटी हार्डवेयर के लिए पीएलआई योजना के तहत, तीन स्वीकृत आवेदकों ने महाराष्ट्र राज्य में विनिर्माण इकाइयां स्थापित की हैं, और ये सभी लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) हैं। साथ ही बताया कि वैश्विक कंपनियों ने भी भारत में लैपटॉप और सर्वर जैसे उत्पादों का निर्माण शुरू कर दिया है।

राष्ट्रपति ट्रंप की चीफ ऑफ स्टाफ को ब्रेस्ट कैंसर, इलाज के दौरान भी छुट्टी नहीं लेंगी!

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सुसी वाइल्स को प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। हालांकि वह इलाज के दौरान भी व्हाइट हाउस से काम जारी रखेंगी। ट्रंप ने इस जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने वाइल्स की तारीफ करते हुए कहा कि वे एक भरोसेमंद सलाहकार है। इसके साथ ही उनकी तेजी से ठीक होने की उम्मीद जताई।

वे एक बेहतरीन इंसान हैं

ट्रंप ने कहा, "सुसी वाइल्स एक अद्भुत चीफ ऑफ स्टाफ हैं, एक बेहतरीन इंसान हैं, और सबसे मजबूत लोगों में से एक हैं जिन्हें मैं जानता हूं। लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें प्रारंभिक अवस्था का ब्रेस्ट कैंसर होने का पता चला है। उन्होंने इस चुनौती को तुरंत स्वीकार करने का निर्णय लिया है, और तुरंत इलाज शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि वाइल्स पहले ही इलाज की तैयारी शुरू कर चुकी हैं और उनके पास एक मजबूत मेडिकल टीम का समर्थन है।

इलाज के दौरान भी काम कर रही

ट्रंप ने कहा, "उनकी मेडिकल टीम शानदार है इलाज के दौरान वह लगभग पूरा समय व्हाइट हाउस में बिताएंगी।" ट्रंप ने वाइल्स को प्रशासन में अपने सबसे भरोसेमंद सलाहकारों में से एक भी बताया। ट्रंप ने कहा, "उनकी शक्ति और उनकी प्रतिबद्धता, जो वे अपने काम को प्यार से और बेहतरीन तरीके से करती हैं, जबकि इलाज के दौरान भी काम कर रही हैं, आपको उनके बारे में सब कुछ बता देती हैं।" ट्रंप ने कहा कि वाइल्स प्रशासन में एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं और उनकी टीम के लिए केंद्रीय भूमिका निभाती हैं।उन्होंने कहा, "सुसी, मेरी सबसे करीबी और महत्वपूर्ण सलाहकारों में से एक के रूप में, मजबूत हैं और अमेरिकी जनता की सेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।" ट्रंप ने कहा कि वे और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप वाइल्स के इलाज के दौरान उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, "मेलानिया और मैं हर तरह से उनके साथ हैं, और हम सुसी के साथ काम करने की उम्मीद करते हैं ताकि हमारे देश के लाभ के लिए कई बड़े और शानदार काम किए जा सकें।" व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने भी इस घोषणा के तुरंत बाद वाइल्स के समर्थन में एकजुटता दिखाई। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलाइन लीविट ने वाइल्स की नेतृत्व क्षमता और व्यक्तिगत गुणों की तारीफ की। उन्होंने कहा, "सुसी वाइल्स यह दिखाती हैं कि एक मजबूत नेता क्या होती हैं। वे सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं जिन्हें मैंने कभी देखा है।"

'मेरे और राष्ट्रपति के बीच मतभेद पैदा करना चाहते हैं?'

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से जब उनके पश्चिम एशिया को लेकर पूर्व के बयान पर सवाल किया गया तो उन्होंने चौंकाने वाला जवाब देते हुए कहा कि क्या आप मेरे और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मतभेद पैदा करना चाहते हैं? जेडी वेंस ने कहा कि पश्चिम एशिया को लेकर अमेरिकी प्रशासन के सभी सदस्य एकमत हैं और उन्हें राष्ट्रपति पर पूरा भरोसा है कि वे ईरान मामले को खत्म करेंगे।

व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए जेडी वेंस से उनके पश्चिम एशिया को लेकर पिछले बयानों पर सवाल किया गया। जिस पर वेंस ने इन सवालों को टालते हुए कहा, 'आप प्रशासन के सदस्यों के बीच, मेरे और राष्ट्रपति के बीच फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति कहते रहे हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए और मैं उनसे सहमत हूं।' वेंस ने कहा 'हमारे पास एक बुद्धिमान राष्ट्रपति हैं, जबकि पूर्व में हमारे पास मूर्ख राष्ट्रपति रहे हैं। मुझे राष्ट्रपति ट्रंप पर भरोसा है कि वे काम को पूरा करेंगे, अमेरिकी लोगों के लिए अच्छा काम करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि पूर्व की गलतियां दोहराई न जाएं।' दरअसल जेडी वेंस ने अपने पूर्व के कई बयानों में कहा है कि अमेरिका को विदेशी संघर्षों में शामिल नहीं होने से बचना चाहिए। साथ ही साल 2023 में एक अखबार के संपादकीय में भी वेंस ने लिखा था कि ट्रंप इसलिए भी सफल रहे हैं क्योंकि उन्होंने अमेरिका को युद्धों में नहीं शामिल किया। साल 2024 में भी वेंस ने कहा था कि ईरान के साथ युद्ध अमेरिका के हित में नहीं है और यह संसाधनों को नुकसान पहुंचाने जैसा है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, अमेरिका की सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता टिमोथी हॉकिन्स ने बताया कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में सात देशों में अमेरिका के 200 के करीब सैनिक घायल हुए हैं।

ईरान और वेनेजुएला के खिलाफ हमलों से भी नहीं भरा ट्रंप का मन, अब एक और देश पर हमले की कर रहे तैयारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला पर हमला कर उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने और ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का युद्धोन्माद अभी भी खत्म नहीं हुआ है। सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने वामपंथी देश क्यूबा पर भी हमले की अपनी योजना सार्वजनिक की। दरअसल अमेरिका द्वारा क्यूबा की नाकेबंदी की गई है, जिसके चलते वहां तेल नहीं पहुंच पा रहा है और इस कारण क्यूबा में पावर ग्रिड बुरी तरह से बाधित है और बिजली आपूर्ति बाधित है और क्यूबा का अधिकांश हिस्सा अंधेरे में है।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मेरा मानना है कि क्यूबा पर कब्जे का सम्मान मैं ही लूंगा और क्यूबा पर कब्जा करना या उसे आजाद कराना, ये एक बड़ा सम्मान होगा।' ट्रंप ने कहा 'मैं क्यूबा को आजाद भी करा सकता हूं और उस पर कब्जा भी कर सकता हूं। मैं इसके साथ जो चाहूं वो कर सकता हूं। क्यूबा अभी बहुत कमजोर स्थिति में है।'

क्यूबा पर अमेरिका ने बनाया आर्थिक दबाव

ट्रंप प्रशासन द्वारा क्यूबा पर आर्थिक दबाव बनाया जा रहा है ताकि क्यूबा को आर्थिक रूप से अमेरिका पर निर्भर बनाया जा सके। बीते 67 वर्षों के अपने एकदलीय शासन में क्यूबा पहली बार भारी दबाव में लग रहा है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप प्रशासन क्यूबा के राष्ट्रपति को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहा है। क्यूबा संकट की शुरुआत इसी साल 3 जनवरी से हुई, जब क्यूबा के सहयोगी देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका ने सत्ता से बेदखल कर दिया। अमेरिका ने हमला कर मादुरो को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद अमेरिका ने क्यूबा की भी नाकेबंदी कर दी, जिससे क्यूबा में तेल आपूर्ति बाधित हो गई है। ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा था कि क्यूबा अमेरिका के साथ समझौता करना चाहता है। यह समझौता ईरान युद्ध के बाद हो सकता है।

पश्चिम एशिया में तनाव पर चिंता, प्रवासी नागरिकों से बोलीं नेपाल की पीएम- देश में करें निवेश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की निवर्तमान प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने दुनिया भर में रह रहे प्रवासी नेपालियों से एकजुट होने और देश की आर्थिक समृद्धि में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया है। काठमांडू में आयोजित गैर-आवासीय नेपाली संघ (एनआरएनए) के 12वें वैश्विक सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय आम सभा के समापन पर उन्होंने यह बात कही।

सुशीला कार्की ने सोमवार को सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार अकेले देश के विकास के लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि नेपाल की प्रगति के लिए देश और विदेश में रहने वाले सभी नेपालियों का सहयोग, निवेश, ज्ञान और नए विचार (नवाचार) बहुत जरूरी हैं। 'हमारी एकता, समृद्धि का आधार' विषय के तहत आयोजित इस तीन-दिवसीय सम्मेलन में दुनिया भर से नेपाली प्रवासियों के 1,000 से अधिक प्रतिनिधि और सदस्य एक साथ आए।

एनआरएनए लगभग 80 लाख प्रवासी नेपालियों का एक बड़ा संगठन है। सम्मेलन के अंत में एक 12 सूत्रीय घोषणापत्र भी जारी किया गया। प्रधानमंत्री ने प्रवासी नागरिकों को नेपाल में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल आर्थिक विकास होगा, बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा और सतत विकास में भी मदद मिलेगी।

पश्चिम एशिया संकट पर जताई चिंता

सम्मेलन में पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध पर भी गहरी चिंता जताई गई। 28 फरवरी से अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए हैं, जिससे पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव फैल गया है। एनआरएनए ने अपने घोषणापत्र में कहा कि वे पश्चिम एशिया के देशों में रह रहे नेपालियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं। संगठन ने संकट के समय में वहां फंसे नेपालियों को राहत पहुंचाने, उन्हें बचाने और उनके पुनर्वास के लिए नेपाल सरकार और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

नीतिगत माहौल बनाने की अपील की

प्रवासी समुदाय ने नेपाल सरकार से निवेश के लिए बेहतर कानूनी और नीतिगत माहौल बनाने की मांग की है। उन्होंने नागरिकता, विदेशी निवेश, आयकर और संपत्ति के लेन-देन से जुड़े कानूनों में बदलाव का सुझाव दिया है। संगठन ने जलविद्युत (हाइड्रोपावर), कृषि, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी और नवाचार पर आधारित उद्योगों को निवेश के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया है।

भारत को ड्रोन से दहलाने की साजिश नाकाम, एनआईए ने एक अमेरिकी और 6 यूक्रेनी नागरिकों को दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए 7 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक अमेरिकी नागरिक और 6 यूक्रेन के नागरिक शामिल बताए जा रहे हैं। आरोपियों को अवैध एंट्री, वेपन और ड्रोन वॉर ट्रेनिंग, और यूरोप से ड्रोन आयात के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के अनुसार, इन सभी आरोपियों को भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी UAPA की धारा 18 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अमेरिकी नागरिक को इमिग्रेशन ब्यूरो ने कोलकाता हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया। वहीं, लखनऊ और दिल्ली के हवाई अड्डों से तीन-तीन यूक्रेनी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। संदिग्धों को दिल्ली लाकर शनिवार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन दिन की हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद सोमवार को उनकी रिमांड 11 दिन बढ़ाकर 27 मार्च तक कर दी गई है। एनआईए के अनुसार, ये आरोपी हथियारबंद जातीय समूहों के इस्तेमाल के लिए यूरोप से भारत के रास्ते म्यांमार तक भारी मात्रा में ड्रोन के अवैध आयात में शामिल थे। कथित तौर पर ये जातीय समूह प्रतिबंधित भारतीय विद्रोही गुटों को हथियार, आतंकी साजो-सामान और ट्रेनिंग देकर उनकी मदद कर रहे थे।

सभी आरोपी पहले पहुंचे थे मिजोरम

सूत्रों के मुताबिक, यह पूरा मामला बेहद गंभीर है और इसमें अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी आरोपी पहले मिजोरम पहुंचे थे और बाद में वहां से म्यांमार चले गए। मिजोरम की करीब 500 किलोमीटर लंबी सीमा म्यांमार के चिन और रखाइन राज्य से लगती है, जो इस पूरे नेटवर्क को समझने में अहम कड़ी मानी जा रही है। नियमों के मुताबिक, मिजोरम जाने के लिए विदेशी नागरिकों को फॉरेनर्स रीजनल ऑफिस (FRO) से विशेष परमिट लेना होता है। जांच में पता चला है कि म्यांमार पहुंचने के बाद आरोपियों ने वहां के कुछ ऐसे जातीय समूहों से संपर्क किया, जो भारत विरोधी गतिविधियों से जुड़े बताए जाते हैं।

भारत में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से भी जुड़े

बताया जाता है कि ये समूह भारत में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से भी जुड़े हुए हैं। इतना ही नहीं, आरोप है कि इन विदेशी नागरिकों ने इन समूहों को ट्रेनिंग भी दी, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ गई है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी यूरोप से भारत के रास्ते बड़ी संख्या में ड्रोन की खेप लेकर आए थे। आशंका जताई जा रही है कि इन ड्रोन का इस्तेमाल किसी बड़ी आतंकी साजिश को अंजाम देने के लिए किया जा सकता था। बताया जाता है कि इस पूरे मामले में बीते शुक्रवार को एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके बाद जांच एजेंसियां लगातार सक्रिय हैं।

पूछताछ में हो सकता है बड़ा खुलासा

इसी बीच राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कोर्ट में इन सातों आरोपियों को पेश कर रिमांड पर लिया है। सूत्रों के अनुसार, NIA ने कोर्ट को बताया कि आरोपियों से पूछताछ के जरिए पूरे षड्यंत्र का खुलासा करना बेहद जरूरी है, जिसमें उनके अन्य साथियों और नेटवर्क की पहचान की जा सके। एजेंसी ने यह भी कहा है कि आरोपियों द्वारा इस्तेमाल किए गए रूट का पता लगाना, मोबाइल डेटा की गहन जांच कर फंडिंग के स्रोत को समझना और सोशल मीडिया अकाउंट्स के तकनीकी विश्लेषण के जरिए फरार सहयोगियों को पकड़ना जांच का अहम हिस्सा है। NIA का मानना है कि पूछताछ के दौरान कई और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

सुरक्षा एजेंसियां हर एंगल से कर रही जांच

हालांकि, इस पूरे मामले में अभी तक NIA की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन सूत्रों के हवाले से मिल रही जानकारी ने इस केस को बेहद संवेदनशील और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियां हर एंगल से जांच कर रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते नाकाम किया जा सके।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी कार्यकर्ताओं का फूटा गुस्सा, पार्टी ऑफिस में क्यों काटा बवाल?

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद भारतीय जनता पार्टी ने विभिन्न विस क्षेत्रों से अपने प्रत्याशियों का ऐलान किया है। इसी बीच अलीपुरद्वार सीट से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने अलीपुरद्वार से घोषित उम्मीदवार का विरोध शुरू कर दिया है। कार्यकर्ताओं ने सोमवार को उम्मीदवार के विरोध में पार्टी कार्यालय में जमकर बवाल काटा। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल, भारतीय जनता पार्टी ने अलीपुरद्वार सीट से परितोष दास को उम्मीदवार घोषित किया है। बताया जा रहा है कि पार्टी कार्यकर्ताओं में इसे लेकर गुस्सा है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि जो बीजेपी के लिए लगातार सड़क पर उतरकर और क्षेत्र में घूम-घूमकर काम कर रहे हैं लोगों को नजरअंदाज किया गया है। इसी वजह से कार्यकर्ता परितोष का विरोध कर रहे हैं। सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने अलीपुरद्वार में मौजूद बीजेपी कार्यालय में जमकर बवाल काटा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कार्यालय में रखी कुर्सियों को तोड़ दिया।

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पार्टी हाईकमान से अलीपुरद्वार सीट से उम्मीदवार परितोष दास को हटाने की मांग की है। इस मामले को लेकर प्रदेश सचिव दीपक बर्मन ने कहा, "पिछले साल BJP ने जिस उम्मीदवार को टिकट दिया था, वह बाद में TMC में शामिल हो गया था। बस इसी वजह से कार्यकर्ता नाराज हैं। ऐसा तब होता है जब लोगों की पसंद अलग-अलग होती है। यह पार्टी का अंदरूनी मामला है। इस पूरे मामले को लेकर नाराज कार्यकर्ताओं से बात की जा रही है। जल्द ही सब सामान्य हो जाएगा।

अन्य जगहों पर भी हो सकता है विरोध

चुनाव से पहले इस घटना को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में अन्य जगहों पर भी ऐसा विरोध देखने को मिल सकता है। कहा जा रहा है कि टीएमसी के कई नेताओं ने हाल ही में बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की है। इसके बाद पार्टी हाई कमान ने इन्हें टिकट पकड़ा दिया। बस इसी बात को लेकर कार्यकर्ताओं में गुस्सा है। वहीं टीएमसी में अभी तक टिकट या उम्मीदवारों को लेकर किसी भी तरह का विरोध देखने को नहीं मिला है। दरसअल, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस बार पहले से ज्यादा आक्रामक नजर आ रही हैं। उन्हें पता है, इस बार बीजेपी ने पश्चिम बंगाल को जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसीलिए खुद ममता सड़क पर उतरकर टीएमसी को लीड करते हुए बीजेपी पर हमला बोल रही हैं।

प्रियंका के अलावा दीपिका पादुकोण भी हुईं ऑस्कर में शामिल! सीढ़ियों से कैसे गिरे टिमोथी चेलमेट?

ऑस्कर की 98वीं अवॉर्ड सेरेमनी संपन्न हो चुकी है। जहां से फैंस के फेवरेट स्टार्स के फोटोज भी फैंस तक पहुंच चुके हैं। मगर कुछ ऐसे फैंस भी हैं जिनके सेलिब्रिटी ऑस्कर नहीं पहुंचे तो उन्होंने ए आई की मद्द से उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल कर दिया।

दीपिका का रेड कार्पेट और वैनिटी पार्टी लुक

दीपिका के फैंस को उनके हर अपियरेंस को काफी फॉलो करते हैं। कोई अवॉर्ड शो हो या फिर फंक्सन वो हमेशा उनके लुक को देखने के लिए बेकरार रहते हैं। दीपिका का एक फोटो वायरल हुआ है जिसमें वह ऑस्कर के रेड कार्पेट पर खड़ी दिखाई दे रही हैं। एक फोटो में वो सफेद रंग का गाउन पहने हुए हैं। वहीं दूसरे में वो रेड ऑफ शोल्टर गाउन में खड़ी हुई हैं। मगर दीपिका ऑस्कर अवॉर्ड में नहीं पहुंची थी। इसीलिए यह फोटोज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाए गए हैं।

टिमोथी चारमेट भी हुए शामिल

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के बाद एक और वीडियो वायरल हुआ जिसमें टिमोथी रेड कार्पेट से जाती हुई सीढ़ियों से गिरते हुए नजर आते हैं। सफेद रंग के सूट में टिमोथी दिखाई दे रहे हैं। वहीं सिक्योरिटी गार्ड्स उन्हें पकड़ते नजर आ रहे हैं। मगर ऑस्कर में ऐसी कोई घटना नहीं हुई। इसलिए वायरल वीडियो में किया गया यह दावा पूरी तरह गलत है।

केजीएफ – कांतारा वाले होम्बले फिल्म्स का बड़ा ऐलान, भारतीय सिनेमा को मिलेगी वैश्विक मंच पर नई उड़ान

भारतीय सिनेमा को केजीएफ , कांतारा और सालार जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाला प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स अब दुनिया फतह करने की तैयारी में है। अपनी जादुई कहानियों से देश का दिल जीतने के बाद, कंपनी ने अब आधिकारिक तौर पर ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन (विदेशी फिल्म वितरण) के क्षेत्र में उतरने का ऐलान कर दिया है। ये कदम न केवल होम्बले की अपनी फिल्मों, बल्कि देश के अन्य फिल्म निर्माताओं के लिए भी अंतरराष्ट्रीय बाजार के दरवाजे मजबूती से खोलेगा।

केजीएफ और कांतारा जैसी सुपरहिट फिल्में देने वाला प्रोडक्शन हाउस, होम्बले फिल्म्स, अब एक नई भूमिका में नजर आएगा। कंपनी ने अब खुद अंतरराष्ट्रीय वितरक बनने का फैसला किया है। वो सिर्फ अपनी ही नहीं, बल्कि भारत के अन्य फिल्म निर्माताओं की बेहतरीन और बड़ी फिल्मों को भी विदेशी बाजार तक पहुंचाने में मदद करेगा। इसका मकसद भारतीय कहानियों और संस्कृति को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाना और विश्व स्तर पर एक मजबूत नेटवर्क तैयार करना।

होम्बले फिल्म्स अब भारत के अन्य छोटे-बड़े प्रोडक्शन हाउस के लिए एक पुल का काम करेगा। इसका मतलब है कि भारत के किसी भी कोने की दमदार कहानी अब दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर दिखाई देगी। विदेशों में डिस्ट्रीब्यूशन का जिम्मा खुद लेकर प्रोडक्शन कंपनी ये पक्का करना चाहती है कि भारतीय सिनेमा की गूँज दुनिया के हर शहर और हर कोने में सुनाई दे। बता दें कि ब्लॉकबस्टर एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा इस प्रोडक्शन हाउस की उपज है।

छोटे कपड़ों में थी इंफ्लूएंसर, महिला ने दी ऐसी नसीहत कि वायरल हो गया वीडियो, यूजर्स में छिड़ी बहस

बेंगलुरु में एक इन्फ्लूएंसर सडक पर एक वीडियो शूट करा रही थी। उसके छोटे कपड़ों को देखकर एक बुजुर्ग महिला ने उसे नसीहत दी। इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। यूजर्स ने इस पर अपनी राय दी है।

बेंगलुरु का एक वायरल वीडियो चर्चा का विषय बन गया है। इस वीडियो में इन्फ्लुएंसर श्रीयांशी एक सड़क पर फोटोशूट करवा रही थीं, तभी एक बुजुर्ग महिला ने आकर उनके पहनावे पर आपत्ति जताई और फोटोशूट में रुकावट डाल दी। यह वीडियो जब सोशल मीडिया पर शेयर किया गया तो इस पर लोगों ने अपने नजरिए पेश किए।

वीडियो में देखा जा सकता है कि श्रीयांशी शहर की एक सड़क पर वीडियो शूट करा रही हैं। शूट के दौरान, वहां से गुजर रही एक बुजुर्ग महिला उनके पास आईं और कथित तौर पर उनके कपड़ों पर नाराजगी जाहिर की। बुजुर्ग महिला ने इन्फ्लुएंसर से कहा कि महिलाओं पर छोटे कपड़े अच्छे नहीं लगते और उन्हें इसके बजाय चूड़ीदार या ट्राउजर पहनना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि श्रीयांशी से उनकी कोई निजी दुश्मनी नहीं है, बल्कि मुद्दा छोटी ड्रेस का है। सड़क पर वीडियो बनाने से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। इस बीच श्रीयांशी शांत रहीं।

श्रीयांशी ने डिलीट किया वीडियो

कई मीडिया पोर्टल्स ने इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया, लेकिन बताया जा रहा है कि श्रीयांशी ने इसे अपने अकाउंट से डिलीट कर दिया है। वीडियो को डिलीट किए जाने से पहले 1.4 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया।

यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया

कई यूजर्स ने वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया दीं हैं। यूजर्स की राय इस मामले पर पूरी तरह से बंटी हुई है। कुछ लोगों ने उस बुजुर्ग महिला का समर्थन करते हुए यह तर्क दिया कि सार्वजनिक जगहों पर सांस्कृतिक नियमों और शालीनता के मानकों का पालन करना चाहिए।

यूजर्स ने किया इन्फ्लूएंसर का बचाव

वहीं, दूसरी तरफ कुछ यूजर्स ने उस इन्फ्लुएंसर का बचाव करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपनी मर्जी के कपड़े पहनने और बिना किसी रोक-टोक के अपना काम करने का पूरा अधिकार है। एक यूजर ने कहा कि लोगों को आज के युवाओं को अकेला छोड़ देना चाहिए और उन्हें अपनी जिंदगी अपनी मर्जी से जीने देना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com